A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 10 जून, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 271, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

भारत में उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण : अवसर और चुनौतियां

रसाल सिंह

क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2025 में अमेरिका, ब्रिटेन, चीन जैसे देश भारत से बहुत ऊपर हैं। टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग-2025 में भी एशिया के पहले 10 विश्वविद्यालयों में चीन के पांच, हांगकांग के 2, सिंगापुर के 2 और जापान का एक विश्वविद्यालय शामिल है। इसमें रैंकिंग में भी भारत की स्थिति सम्मानजनक नहीं है। ये रैंकिंग भारत के उच्च शिक्षा तंत्र की बदहाली को दर्शाती हैं।

भारत की विशाल और लगातार बढ़ती छात्र आबादी के अलावा विदेशी संस्थानों में अध्ययन की असीम अभिलाषा के कारण 2023-24 में करीब 15 लाख भारतीय छात्र विदेश गए। 2024-25 में यह संख्या 18 लाख तक पहुंच गई। अब भारत सरकार ने विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर खोलने की अनुमति दी है। अभी हाल ही में ब्रिटेन के लिवरपूल विश्वविद्यालय ने भारत के बेंगलुरु शहर में अपना परिसर शुरू करने का फैसला लेते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और शिक्षा मंत्रालय के साथ समझौता-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। अब तक भारत में पांच अन्य प्रतिष्ठित विदेशी संस्थान अपने परिसर खोलने की दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं। इनमें ब्रिटेन का साउथैम्प्टन विश्वविद्यालय गुरुग्राम में, अमेरिका का इलिनॉयस इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई में, ऑस्ट्रेलिया की डाकिन यूनिवर्सिटी और वोलोंगोंग यूनिवर्सिटी गिफ्ट सिटी, गुजरात में अपने परिसर खोल रहे हैं।

पिछले 10 साल के आंकड़ों का अध्ययन करने से स्पष्ट होता है कि यह संख्या 15-20 प्रतिशत वार्षिक की दर से क्रमशः बढ़ रही है। कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन स्थित संस्थान भारतीय छात्रों के सबसे पसंदीदा तीन अध्ययन स्थल हैं। इनके बाद जर्मनी,ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों के संस्थान हैं।

इस वजह से भारत के धन का 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष बाह्यप्रवाह हो रहा है, जो भारत के जीडीपी का लगभग 3 प्रतिशत है। इससे मानव प्रतिभा का नुकसान भी होता है, क्योंकि अधिकांश छात्र विदेशों में बसने का विकल्प चुनते हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आशा व्यक्त की है कि इस वर्ष कम से कम 15 प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस भारत में शुरू करेंगे। यह भारतीय उच्च शिक्षा क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीयकरण की महत्वाकांक्षी परियोजना है।

NEP-2020 में उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण का प्रावधान है। इसके तहत यूजीसी ने 'भारत में विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के परिसर की स्थापना और संचालन विनियम-2023' लागू किया है। ये विनियम विदेशी विश्वविद्यालयों को उनकी प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क संरचना, शिक्षकों की सेवा शर्तें और पारिश्रमिक तय करने और उनके द्वारा अर्जित धनराशि को स्थापना के दस वर्ष बाद स्वदेश भेजने की स्वायत्तता प्रदान करते हैं।

सिर्फ वही विदेशी संस्थान भारत में अपने परिसर स्थापित कर सकेंगे जिन्होंने समग्र अथवा विषय-वार वैश्विक रैंकिंग के शीर्ष 500 में अपनी जगह बनाई हो या कि अपने गृह क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित संस्थान का दर्जा प्राप्त कर रखा हो। नियमानुसार प्रारंभिक स्वीकृति 10 वर्षों के लिए दी जाएगी। पहली बार, वर्ष 1995 में एक विधेयक लाया गया था, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सका। 2007 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) सरकार के दौरान भी ऐसा ही एक प्रस्ताव सामने आया था, जिसका क्रियान्वयन न हो सका। भारतीय शिक्षा प्रणाली में यह समयबद्ध और ठोस कार्य योजना, एक सर्वसमावेशी और वैश्विक दूरंदेशी दृष्टि की परिचायक सिद्ध होगी।

विदेशी परिसरों से भारतीय छात्रों को सस्ती कीमत पर गुणवत्तापूर्ण डिग्री और कौशल मिलेंगे। इससे भारत पढ़ाई के लिए एशिया और अफ्रीका जैसे महाद्वीपों के छात्रों के लिए भी आकर्षक गंतव्य बनेगा। भारत में विदेशी परिसरों की स्थापना से विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या कम होगी। इससे विदेशी मुद्रा की बचत और प्रतिभा पलायन रोका जा सकेगा। इसके अलावा सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराते हुए 'ग्लोबल साउथ' के बहुत से छात्रों को आकर्षित करते हुए विदेशी धन और प्रतिभा का आगमन भी सुनिश्चित करेगा। भारत में ऐसे नामचीन विश्वविद्यालयों द्वारा परिसर स्थापना भारत की वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, अन्तर्निहित अवसरों और संभावनाओं का परिणाम है। यह शैक्षणिक साझेदारी भारत को एक नॉलेज इकॉनोमी बनाते हुए उसकी सॉफ्टपॉवर को भी नई धार देगी।

दिलचस्प बात यह है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार ने भारत में उच्च शिक्षा क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीयकरण हेतु गंभीर पहल की है, क्योंकि विदेशी संस्थानों के परिसरों को भारत में स्थापित करवाने के ऐसे प्रयास पहले भी हो चुके हैं। भारत में 1000 से अधिक विश्वविद्यालय और 42000 से अधिक महाविद्यालय हैं। फिर भी सकल नामांकन अनुपात (GIR) सिर्फ 27.1 प्रतिशत है। मुख्य समस्याएं हैं - अंक आधारित प्रणाली, अनुसंधान की अनदेखी, सरकारी हस्तक्षेप, योग्य शिक्षकों की कमी, निवेश की कमी और छात्रों का ड्रॉपआउट। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वायत्तता, उद्योग और समाज के साथ तालमेल पर बल देना होगा।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के घोषित लक्ष्य, जो कि उच्च शिक्षा के माध्यम से मानव की पूर्ण क्षमता को विकसित करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उसकी राष्ट्र की प्रगति में भूमिका सुनिश्चित करना है, को ध्यान में रखते हुए हमें सीखने की प्रक्रिया में बदलाव कर वर्तमान समय की मांग के अनुरूप नए दृष्टिकोण को अपनाने की ज़रूरत है। भारतीय पाठ्यक्रम अक्सर उद्योग की ज़रूरतों से कटा रहता है। कैरियर परामर्श और रोजगारपरकता भी एक क्षेत्र है जिसमें भारतीय संस्थान अपने विदेशी समकक्षों से बहुत पीछे हैं। दूसरी तरफ, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त शैक्षणिक संस्थान भविष्य की संभावनाओं को समझने के लिए लगातार व्यापार, उद्योग ,समाज और सरकार के साथ जुड़े रहते हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों के आने से भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इससे भारतीय संस्थानों को भी अपने मानक सुधारने की प्रेरणा मिलेगी। उच्च शिक्षातंत्र में सरकारी निवेश बढ़ाने की भी ज़रूरत है। अगर सरकार ऐसा नहीं करना चाहती है तो पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप बढ़ाने की दिशा में विचार किया जा सकता है। खस्ताहाल आधारभूत ढांचे और लालफीताशाही से जूझ रहे भारतीय संस्थानों में प्राण फूंके जा सकते हैं। इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि विदेशी संस्थाएं भारत में अपने परिसरों की स्थापना सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देने हेतु करें, न कि इन मुख्य मुद्दों को दरकिनार कर, सिर्फ व्यावसायिक हितों के लिए काम करने वाली शिक्षा की दुकानें बन कर रह जाएं। इन संस्थाओं को केवल आभिजात्य और अमीर वर्ग के लिए अवसर न बनकर हाशिए पर रहने वाले और वंचित वर्गों से आने वाले छात्रों के हितों की रक्षा भी करनी चाहिए और उनके समावेशन के लिए विशेष प्रावधान भी करने चाहिए। इसलिए सरकार को शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के दायरे को बढ़ाने की दिशा में विचार करना चाहिए।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

हिमगिरी सी पीड़ा सह जाने वाला हृदय
गौरेया के पंख की ठेस से टूट जाता है
जाते हुए तुम्हारी पीठ देखती हूं
मेरी अंजुरी से छलक जाता है अमृत

न धरती फटी न आसमान टूटा
ये संसार यथावत चलता रहा
कहीं कोई पत्ता भी नहीं खड़का
मैंने अपने ही प्राण निकलते देखे
मेरी आँख से एक आँसू नहीं गिरा

सब इतना ठीक था, जैसे घड़ी
न थमी न वक्त बदला
दीवार पर एक जाला नहीं था
मेरी चादर धुली हुई थी
मेरे माथे पर थी वही बिंदी
मैंने हँसना छोड़ा न गुनगुनाना
बस तुम्हारी पसंद का इत्र लगाना भूल गई

– श्रुति कुशवाहा

मणिपुर में अब नेशनल हाईवे बंद, दवाएं तक नहीं मिल रहीं

● चुराचांदपुर और इंफाल में जरूरी चीजों के दाम बढ़े, 5 जिलों में इंटरनेट बंद

चुराचांदपुर/इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा के बाद हाईवे ब्लॉकेज और ट्रांसपोर्ट रूट्स प्रभावित होने से आम लोगों को महंगाई का सामना कर पड़ रहा है। खास तौर पर चुराचांदपुर और राजधानी इंफाल में खाने-पीने की चीजें और दवाइयों की भारी कमी हो गई है। जरूरी सामानों के दाम बढ़ गए हैं। हिंसा प्रभावित कई इलाकों में दवाइयां तक नहीं मिल रही हैं। एक

स्थानीय निवासी ने बताया-अब सारी चीजें मिजोरम के रास्ते आ रही हैं, इसलिए महंगी हो गई हैं। पहले जैसी स्थिति नहीं रही है। चुराचांदपुर कुकी समुदाय का गढ़ माना जाता है। यह नेशनल 2 और 37 पर निर्भर है, जो असम और नगालैंड को मणिपुर से जोड़ते हैं।

अब ये रास्ते बंद हैं, जिससे ट्रकों को लंबा रास्ता मिजोरम से होकर लेना पड़ रहा है। इससे ट्रांसपोर्ट कॉस्ट बढ़ रही है। 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो अब तक जारी है। इस दौरान 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए।

दुश्मन के ठिकानों पर होगा और भी सटीक हमला

● 10 हजार करोड़ की डील,वायुसेना को मिलेंगे आई-स्टार ● ये तकनीक अभी अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल के पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरफोर्स को जल्द ही तीन मॉडर्न आई-स्टार (इंटेलीजेंस, सर्विलांस, टारगेट एक्विजिशन एंड रिकॉनिसेंस) स्पाय एयरक्राफ्ट मिलने जा रहे हैं। प्रोजेक्ट की लागत 10,000 करोड़ रुपए की है। इसका प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय जून के चौथे हफ्ते में होने वाली हाई लेवल मीटिंग में मंजूरी के लिए रखेगा। एयरक्राफ्ट मिलने के बाद भारत अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल जैसे चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जिनके पास यह टेक्नॉलॉजी है। आई-स्टार स्पाय

एयरक्राफ्ट की मदद से वायुसेना को दुश्मन के जमीनी ठिकानों जैसे रडार स्टेशनों, एयर डिफेंस सिस्टम और मोबाइल टारगेट्स की सटीक जानकारी मिलेगी।

ये तीनों एयरक्राफ्ट विदेशी कंपनियों जैसे बोइंग और बॉम्बार्डियर से खुले टेंडर के माध्यम से खरीदे जाएंगे, लेकिन इनके अंदर लगने वाले सभी सिस्टम पूरी तरह स्वदेशी होंगे। मॉडर्न आई-स्टार स्पाय एयरक्राफ्ट के अंदर डीआरडीओ के सेंटर फॉर एयरबोन सिस्टम की ओर से विकसित स्वदेशी सिस्टम लगाए जाएंगे। ये पहले ही परीक्षण में सफल हो चुके हैं। आई-स्टार विमान ऊंचाई से खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी करने, लक्ष्य पहचानने और उन पर हमले के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। ये दिन और रात में किसी भी मौसम में काम करने में सक्षम होंगे। इनके जरिए दुश्मन की गतिविधियों पर दूर से नजर रखी जा सकेगी। आई-स्टार सिस्टम हवाई और जमीनी दोनों हिस्सों में काम करेगा और भारतीय सेना की सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाएगा।

सीएम ने नरसिंहपुर–गाडरवारा में

80 करोड़ की 135 परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया

नरसिंहपुर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा पहुंचे। यहां उन्होंने 80 करोड़ 46 लाख रुपए की 135 परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इससे पहले सीएम ने रोड शो भी किया। नरसिंहपुर के गाडरवारा में सीएम डॉ. मोहन यादव कुर्सी पर बैठते वक्त अचानक गिर पड़े। हालांकि आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें संभाल लिया।

दरअसल, सीएम मंच पर एक दिव्यांग बच्ची से बात कर रहे थे। बात करते करते ही वह कुर्सी पर बैठने लगे। इस दौरान उनका बैलेंस बिगड़ गया और वो गिर पड़े।

सीएम बोले- मोदी जी सोने का बाज बना रहे- सीएम ने सभा को संबोधित करते हुए कहा- भय बिन होय न प्रीति। भय के बिना दोस्ती नहीं हो सकती। समर्थ होना चाहिए। देश जागरूक होना चाहिए। देश के अंदर असुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रबंधन होना चाहिए। सोने की चिड़िया तो हजारों साल से देश था, लेकिन सोने की चिड़िया से काम नहीं चलता। अब मोदी जी देश को सोने का बाज बना रहे हैं, दुश्मन को पकड़कर लाने के लिए। मुख्यमंत्री ने कहा, मोदी जी ने न केवल देश का स्वरूप बदला है, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाया है।

कांग्रेस के समय राम का नाम लेने पर दंगे होते थे- सीएम ने कहा कि कांग्रेस के समय भगवान राम का नाम लेने पर दंगे होते थे। जब सुप्रीम कोर्ट ने श्रीराम मंदिर के पक्ष में फैसला दिया तो कांग्रेस ने उस फैसले को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

लाड़ली बहना चुनावी नहीं, बल्कि स्थायी योजना

सीएम ने लाड़ली बहना योजना का जिक्र करते हुए कहा कि यह योजना चुनावी नहीं बल्कि स्थायी है। आने वाले समय में बहनों को रू. 3000 तक की राशि दी जाएगी। साथ ही उन्होंने घोषणा की है कि इस रक्षाबंधन पर भी बहनों को विशेष बोनस दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा– गांव–गांव में चलेंगी सरकारी बसें

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में गांव-गांव में सरकारी बसें चलाई जाएंगी। गुरु पूर्णिमा और दशहरा भी प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने भी कहा है कि बिना शक्ति के भक्ति अधूरी है। इसलिए हम देश को जागरूक और सामर्थ्यशाली बना रहे हैं।

राजा रघुवंशी की हत्या में पत्नी सोनम और प्रेमी राज समेत चार गिरफ्तार

इंदौर से जाकर शिलांग में हत्या की, नेपाल भागने की प्लानिंग असफल

इंदौर। सत्रह दिनों से उलझा राजा रघुवंशी हत्याकांड का खुलासा हो गया। जिस नाटकीय ढंग से राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में मिली, उसने सारी साजिश को उजागर कर दिया। अभी तक जो तथ्य सामने आए हैं, उनका इशारा है कि इस हत्याकांड की साजिश सोनम रघुवंशी ने अपने प्रेमी राज कुशवाह और उसके दो साथियों के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि सोनम को गाजीपुर से इंदौर लाया जा रहा है। सोनम और उसके प्रेमी राज की योजना नेपाल भागने की थी, पर वो पहले पकड़ा गई और साजिश का खुलासा हो गया।

राजा रघुवंशी की हत्या का राज इतना सनसनीखेज होगा, ये शायद किसी ने नहीं सोचा होगा। कोई सोच भी नहीं सकता था, कि जिस नवविवाहित पत्नी सोनम के साथ राजा हनीमून मनाने गया था, वही उसकी जान की दुश्मन निकलेगी। बताया गया कि सोनम का उससे 5 साल छोटे राज कुशवाह से प्रेम था और वही राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश में दो दोस्तों के साथ शामिल रहा। इस मामलर में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। इंदौर की सोनम रघुवंशी ने अपने प्रेमी और कर्मचारियों के साथ नए नवेले पति राजा रघुवंशी की शिलांग में हत्या की साजिश रची। हत्या के बाद वह नेपाल भागने की फिराक में थी, लेकिन पुलिस ने उसे गाजीपुर में पकड़ लिया।

इस मामले में सोनम समेत चार आरोपी पकड़ लिए गए। सोनम रघुवंशी और उनके पति राजा रघुवंशी के शिलांग में गायब होने की खबर ने देशभर को चौंका दिया था। लेकिन, जब खुलासा हुआ तो किसी को भरोसा नहीं हुआ। सोनम का अपने ही यहां काम करने वाले कर्मचारी राज कुशवाह से प्रेम संबंध था। इस प्रेम कहानी ने एक खौफनाक साजिश को जन्म दिया, जिसकी कीमत राजा रघुवंशी को जान देकर चुकानी पड़ी। सोनम के परिवार का प्लाईवुड का कारोबार है। राज कुशवाह उसी फर्म में बिलिंग का काम संभालता था। दोनों के बीच नज़दीकियां बढ़ीं और यह रिश्ता प्रेम में बदल गया। लेकिन, इस प्यार में सबसे बड़ी अड़चन था सोनम का पति राजा रघुवंशी। शादी के बाद भी सोनम का राज कुशवाह से रिश्ता बना रहा। फिर उन्होंने खौफनाक प्लान बनाया और राजा को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

राजा की हत्या की प्लानिंग सोनम और राज दोनों ने मिलकर रची। राज ने अपने साथ तीन दोस्तों विशाल सिंह, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत को भी इस साजिश में शामिल किया। उसने तीनों को पहले ही गुवाहाटी भेज दिया, जहां से वे शिलांग पहुंचे। उन्होंने किराए पर बाइक ली और प्लान के अनुसार सोनम और राजा के पीछे शिलांग के डबल डेकर एरिया तक पहुंच गए। फिर सोनम राजा को उस इलाके में ले गई, जहां उसकी हत्या कर दी गई। राजा की हत्या के बाद सोनम फरार हो गई और एक हफ्ते से लगातार रात के समय सफर करके पुलिस से बचने की कोशिश करती रही। वह वाराणसी से गोरखपुर होते हुए नेपाल भागने की फिराक में थी। लेकिन, पुलिस ने उसे गाजीपुर से दबोच लिया। पूछताछ में पूरी साजिश का खुलासा हुआ।

शिलांग जाने की प्लानिंग सोनम की

राजा रघुवंशी की मां ने मीडिया के सामने इस बात का खुलासा किया कि जब राजा और सोनम इंदौर से निकले थे, तब उनका शिलांग जाने का कोई प्लान नहीं था। अचानक राजा ने बताया कि सोनम ने शिलांग की बुकिंग करवा ली है, तो क्या मैं शिलांग हो आऊं? तो मैंने कहा की हां हो आओ, लेकिन जल्दी आ जाना जब मेरी आखिरी बार राजा से बात हुई थी। उस समय भी मैंने उससे कहा था कि अब आ जाओ, तो राजा ने बोला कि हां हम यहां से निकलने वाले हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि साजिश में सोनम पूरी तरह शामिल थी।

मेघालय के पुलिस ने इसे बड़ी सफलता माना

मेघालय पुलिस ने विज्ञप्ति जारी करके अपनी सफलता पर खुशी जताई। कहा गया कि इंदौर से आए एक हनीमून मना रहे जोड़े की मई 2025 में ईस्ट खासी हिल्स जिले में हुई गुमशुदगी के मामले में एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। लगातार जांच और विभिन्न राज्यों के बीच समन्वय के बाद इस मामले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। दो इंदौर से और एक ललितपुर (उत्तर प्रदेश) से। ये गिरफ्तारियां राजा रघुवंशी की दुखद मृत्यु और उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी की गुमशुदगी की परिस्थितियों को उजागर करने में एक निर्णायक कदम हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सोनम रघुवंशी ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले स्थित नंदगंज पुलिस स्टेशन में स्वेच्छा से आत्मसमर्पण किया और वर्तमान में उत्तर प्रदेश पुलिस की सुरक्षित हिरासत में हैं। उनके स्थानांतरण और औपचारिक बयान के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। यह सफलता मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), स्थानीय खुफिया इकाइयों और कई राज्यों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के चौबीसों घंटे के अथक प्रयासों का परिणाम है। भौगोलिक और लॉजिस्टिक चुनौतियों, और सार्वजनिक व मीडिया की सतत निगरानी के बावजूद, हमारी टीमों ने कानून के शासन को बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ता दिखाई है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38 °c न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे
भोपाल ■ मंगलवार, 10 जून 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

आईएसएस जाने से पहले शुभांशु शुक्ला की फाइनल रिहर्सल

● आज इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होंगे,ऐसा करने वाले पहले भारतीय बनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत कल 10 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे। इससे पहले रविवार को शुभांशु ने फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल की। इसमें असेंबली बिल्डिंग से रॉकेट तक जाने और उसमें बैठने के प्रोसेस को फॉलो किया। इस दौरान शुभांशु ने कहा- यह एक बेहतरीन यात्रा रही है। ये पल बताते हैं कि आप किसी ऐसी चीज का हिस्सा बनने जा रहे हैं जो आपके खुद से बहुत बड़ी है। मैं बस इतना कह सकता हूं कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि मुझे मिशन का हिस्सा

बनने का अवसर मिला। एक्सिओम मिशन 4 ((एएक्स×-4) में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। यह मिशन 10 जून 2025 को शाम 5.54 बजे लॉन्च होगा। शुभांशु यहां पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट जाएंगे एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं। स्लावोज उज्नान्स्की 1978 के बाद स्पेस में जाने वाले पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। टिबोर कापू 1980 के बाद स्पेस में जाने वाले हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। अमेरिकी की पैगी व्हिटसन का यह दूसरा कॉमर्शियल ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन है। शुभांशु शुक्ला मूल रूप से लखनऊ के हैं।

अब मुंबई लोकल ट्रेन में लगेंगे ऑटोमैटिक दरवाजे

● ठाणे में 4 लोगों की मौत के बाद रेलवे का बड़ा ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार सुबह यात्रियों से भरी एक चलती ट्रेन से गिरकर कम से कम चार लोगों की जान चली गई। पुलिस के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में छह अन्य यात्री घायल भी हुए हैं। इस हादसे के कुछ घंटों बाद ही रेलवे बोर्ड ने बड़े ऐलान किए हैं। रेलवे के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया है

कि मुंबई लोकल की सभी निर्माणधीन रैंकों में ऑटोमैटिक दरवाजे लगाए जाएंगे। अधिकारी ने सोमवार को एक बयान में कहा,मुंबई उपनगरीय के लिए निर्माणाधीन सभी रेकों में स्वचालित दरवाजा बंद करने की सुविधा होगी।

● ट्रेन से गिरे 10 लोग, चार की गई जान – वहीं ठाणे में हुए हादसे पर जानकारी देते हुए पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना संभवत: अधिक भीड़-भाड़ की वजह से हुई। जानकारी के मुताबिक हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रेन दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच से गुजरते हुए कसारा जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि व्यस्त समय के दौरान ट्रेन में अत्यधिक भीड़ थी और कई लोग ट्रेन के दरवाजे के पास खड़े थे। अचानक चलती ट्रेन से कम से कम 10 यात्री गिर गए।

उत्तर-पश्चिम में भीषण गर्मी का थर्ड डिग्री टॉर्चर !

● राजस्थान में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट,धूलभरी आंधी चलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का उत्तर पश्चिमी इलाका इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को राजस्थान में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य का श्रीगंगानगर रविवार को देश में सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां 47.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक 11 जून तक बीकानेर संभाग में पारा 47 डिग्री तक पहुंच सकता है। इस बीच 30 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से धूल

भरी हवाएं चल सकती हैं। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी तापमान बढ़ सकता है। मानसून की बात करें तो यह अभी भी बिहार-पश्चिम बंगाल की सीमा पर अटका है। 15 जून तक इसके मध्य प्रदेश में पहुंचने की संभावना है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में हीटवेव का अलर्ट है। लू चल सकती है। केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश हो सकती है। गर्मी के इस थर्ड डिग्री टॉर्चर में लोगों का दिन के समय घर से बाहर निकलना दूभर नजर आ रहा। पिछले कुछ दिनों से पारा जिस तरह ऊपर जा रहा उससे आम जनजीवन अस्त व्यस्त है। इस बीच मौसम विभाग ने बड़ी भविष्यवाणी की है। विभाग ने बताया कि भीषण गर्मी से फिलहाल राहत के आसार नजर नहीं आ रहे।

पिछले ग्यारह वर्षों में जीवन की सुगमता को बढ़ावा मिला है : प्रधानमंत्री

140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी के बल पर देश ने सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखे है : प्रधानमंत्री

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एनडीए सरकार के पिछले 11 वर्षों के कार्यकाल में भारत में आए उल्लेखनीय परिवर्तन पर प्रकाश डाला है। श्री मोदी ने कहा है कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान दिए जाने से विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर एनडीए सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं।

श्री मोदी ने कहा है कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है। श्री मोदी ने कहा कि हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा व विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि पिछले 11 वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और जीवन की सुगमता को बढ़ावा मिला है। श्री मोदी ने इस संदर्भ में, नागरिकों को नमो ऐप के माध्यम से इस परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में जानकारी जुटाने के लिए प्रोत्साहित किया, जो सरकार की उपलब्धियों को संवाद-शैली के माध्यम से प्रस्तुत करता है। इस ऐप के जरिए इंटरैक्टिव गेम, क्विज़, सर्वेक्षण और अन्य ऐसे प्रारूपों के माध्यम से वैसी जानकारी प्राप्त की जा सकती है, जो प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री ने लोगों को नमो ऐप और आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध वीडियो, इन्फोग्राफिक्स और लेखों जैसे विभिन्न आकर्षक प्रारूपों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा के बारे में जानकारी लेने के लिए भी आमंत्रित किया।

एम्स भोपाल के डॉ. दानिश जावेद ने सिकल सेल रोग के उपचार में आयुर्वेद एवं हर्बल चिकित्सा की सहायक भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता तथा ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को निरंतर प्रोत्साहित करते रहते हैं। उनके प्रेरणादायी नेतृत्व में संस्थान के संकाय सदस्य विविध शोध कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी दिशा में, एम्स भोपाल के वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. दानिश जावेद ने हाल ही में गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहभागिता की। यह कार्यक्रम सिकल सेल रोग को वर्ष 2047 तक जड़ से खत्म करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया था। अपने व्याख्यान के माध्यम से डॉ. दानिश जावेद ने आमजन को सिकल सेल रोग की रोकथाम एवं देखभाल के आयुर्वेद-आधारित वैकल्पिक उपायों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेदिक औषधियों, आहार-संयम और जीवनशैली में सुधार जैसे उपायों से सिकल सेल रोगियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखे गए हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि एलोपैथी और आयुर्वेद के समन्वय से ऐसे रोगों के उपचार में और अधिक प्रभावशाली परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा, "जागरूकता सबसे प्रभावशाली हथियार है।" उन्होंने सिकल सेल रोग जैसी आनुवंशिक बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भूमिका को आवश्यक बताया और विवाह से पूर्व वर-वधू की सिकल सेल कार्ड जांच को अनिवार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, उन्होंने वन क्षेत्रों में उपलब्ध औषधीय वनस्पतियों पर वैज्ञानिक अनुसंधान की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने राज्य सरकार द्वारा इस रोग के उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और सभी चिकित्सा संस्थानों एवं विशेषज्ञों से सहयोग का आग्रह किया। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद श्री आलोक शर्मा की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया।

प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस विषय पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, "सिकल सेल रोग के विरुद्ध लड़ाई में आधुनिक चिकित्सा के साथ हमारे पारंपरिक ज्ञान और आयुर्वेद का भी अहम योगदान हो सकता है।

राइटर्स राइट डे पर रीडर्स क्लब का विमर्श

भोपाल। आधुनिक तकनीकी और सोशल मीडिया के दौर में रचनात्मक स्वतंत्रता की सुरक्षा और कॉपी राइट जैसे मुद्दे गौण होते जा रहे हैं। यह विचार रीडर्स क्लब द्वारा राइटर्स राइट डे यानि लेखकों के अधिकार दिवस पर आयोजित परिचर्चा में कई जाने माने लेखकों ने व्यक्त किए। राइटर्स राइट डे लेखकों के अधिकारों जैसे कॉपीराइट कानूनों, उचित भुगतान और उनकी रचनात्मक स्वतंत्रता की सुरक्षा के महत्व को उजागर करने के लिए प्रति वर्ष 9 जून को मनाया जाता है।

रीडर्स क्लब,भोपाल ने कॉपी राइट कानून, भुगतान एवं लेखक की रचनात्मक स्वतंत्रता की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जागरूकता के लिए इस वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया था।

इस अवसर पर लेखक एवं व्यंग्यकार संजीव परसाई ने कहा कि इस दौर में लेखन के लिए भुगतान की बात बेमानी हो गई है। कुछ अपवाद छोड़ दें तो अधिकांश प्रकाशक मानदेय देने से कतराते हैं। ग्वालियर के वरिष्ठ पत्रकार देव श्रीमाली का कहना था कि लेखन का भुगतान नहीं होने की बड़ी वजह खुद लेखक हैं। आप लिखते मेहनत से हैं और संपादक को मुफ्त में प्रकाशन के लिए धन्यवाद करते हैं। जब लेखक ऐसा करेगा तो भुगतान की बात भूल जाना चाहिए।

प्रोफेसर एवं वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार ने कॉपी राइट हनन को लेकर चिंता जाहिर की। उनका कहना था कि सोशल मीडिया आने के बाद कॉपी राइट का कोई मतलब ही नहीं बचा। कहा जाता है कि पब्लिक डोमेन पर पोस्ट की गई सामग्री पब्लिक प्रापर्टी हो जाती है। एकबारगी यह मान भी लें तो लेखक को क्रेडिट दिया जाना चाहिए। लेखन की चोरी कॉपी राइट कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। इस पर लेखक समूह को एकजुट होकर प्रतिकार करना होगा।

आकाशवाणी के समाचार संपादक और लेखक संजीव शर्मा का कहना था कि कॉपी राइट उल्लंघन और लेखकों को मानदेय नहीं मिलने का सबसे बड़ा कारण छपास रोग है।

वहीं, लेखिका डॉ. मोना परसाई का मानना था कि आप चोरी रोक नहीं सकते लेकिन संज्ञान में आते ही लेखक को उस व्यक्ति को कटघरे में खड़ा करना चाहिए। समाज सेविका और लेखिका मनीषा शर्मा का कहना था कि कॉपी पेस्ट ने बौद्धिक संपदा चोरी को आसान कर दिया है।

राजगढ़ से जुड़े लेखक संजय सक्सेना का मानना था कि जिस तरह प्रकाशनों की संख्या बढ़ी है, उसी अनुपात में लेखक भी बढ़े हैं लेकिन जब गुणवत्ता की बात करें तो ज्यादतर वही लोग हैं जो कॉपी पेस्ट से कथित लेखक बने हुए हैं। हिंदी की प्राध्यापक एवं कवि डॉ. सरोज चक्रधर ने कहा कि लगातार संवाद न होने और पढ़ने की आदत छूटने से समस्या बढ़ रही है।

वहीं एडवोकेट विपिन सक्सेना ने लेखकों से जुड़े कानूनों और अधिकारों से बारीकी से अवगत कराया। रीडर्स क्लब की इस परिचर्चा में तय किया गया कि इस विषय पर निरन्तर संवाद कर लेखकों को जागरूक बनाया जाएगा। आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है: मुख्यमंत्री

*जहां कोल जनजाति निवास करती है, वहां जांच कर जमीन के पट्टे दिए जाएंगे *बाणसागर परियोजना के सरसी आईलैण्ड में जल पर्यटन का किया जाएगा विकास

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है, समाज ने देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है। जनजातीय समाज के अनेक नायकों ने अपना बलिदान देकर जल, जंगल, जमीन एवं अंग्रेजों से लड़कर देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में जहां कोल जनजाति के लोग निवासरत हैं और जिनके पट्टे नहीं बने हैं, जांच कराकर पट्टा देने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारी देशभक्त जनजातीय महानायक भगवान बिरसा मुण्डा की बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज शहडोल में प्रतिमा तथा बाणसागर जलाशय में बाणभट्ट की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज के बेटा, बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। प्रदेश के सभी संभागों में 24-24 करोड़ के लागत वाले 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास एवं परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 330 करोड़ रूपए लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण ओर 52 कार्यों का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आज 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश का मान एवं सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। देश का तेजी से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 4 मिशन गरीब, युवा,नारी एवं अन्नदाता के विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 4 करोड़ लोगों को पक्के आवास दिए गए हैं। जो लोग छूट गए हैं उनका भी सर्वे कर पक्के आवास देने का कार्य सरकार करेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रक्षाबंधन में प्रदेश की लाडली बहनों को उपहार स्वरूप 250 रूपए सप्रेम दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातियों के विरूद्ध होने वाले झूठे प्रकरणों की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी स्कूली पाठ्क्रम में शामिल करने तथा 13 जिलों में कन्या शिक्षा परिसरों का नाम माता शबरी के नाम पर रखने की घोषणा की।

जनजातीय नायकों का स्मरण–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूतसिंह के योगदान का स्मरण भी किया। राजा भभूतसिंह के सम्मान में उनके शासन केंद्र पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया।

कनाडा में खालिस्तानियों का पाकिस्तानी झंडा लगाकर प्रदर्शन

पीएम मोदी के जी-7 समिट में आने को लेकर हो गए ऐक्टिव

हरियाणा और पंजाब को खालिस्तान बनाने की मांग,लगाए नारे

अमृतसर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कनाडा दौरे से पहले खालिस्तानी प्रदर्शनकारी ऐक्टिव हो गए हैं। कनाडा में जगह-जगह खालिस्तान की मांग रखते हुए रैलियां निकाली जा रही हैं, भारत विरोध नारे लग रहे हैं और पीएम मोदी को बार-बार चैलेंज भी किया जा रहा है। रविवार को कनाडा के वेंकूवर में खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने रैली निकाली। खास बात है कि इस रैली में ठीक से 50 खालिस्तानी प्रदर्शनकारी भी नहीं जुटे। प्रदर्शनकारियों की कार पर सबसे ऊंचा झंडा पाकिस्तान का लगा हुआ था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पंजाब, हिमाचल और हरियाणा को खालिस्तान बनाने के नारे लगाए। पीएम मोदी को मारने और भारत के विरुद्ध भी नारेबाजी की गई। गौरतलब है कि आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू पहले ही दावा कर चुका है कि जब पीएम मोदी जी 7 समिट में शामिल होने कनाडा आएंगे तो उसके समर्थक उन्हें घेरेंगे। बता दें कि कनाडा में अल्बर्टा राज्य के कनानास्किस में 15 से 17 जून तक होने वाली समिट में शामिल होंगे।

संभल में मुस्लिम समुदाय ने खुद चलाया बुलडोजर

● मस्जिद और दरगाह के अवैध हिस्से को किया जमींदोज

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में लगातार अवैध अतिक्रमण के क्रम में बुलडोजर एक्शन जारी है। यहां संभल के हयातनगर थाना बहजोई क्षेत्र रोड़ स्थित अजीजपुर-असदपुर में पीडब्ल्यूडी की सड़क पर अवैध धार्मिक निर्माण को खुद उसी समुदाय के लोगों ने तोड़ना शुरू कर दिया है। उनकी इस पहल की भरपूर प्रशंसा हुई है। सड़क निर्माण चौड़ीकरण मार्ग में अवैध मस्जिद,दरगाह और मंदिर के कुछ अंश को मुस्लिम व हिंदू समुदाय के लोगों ने आपसी सहमति से मिलजुलकर खुद ध्वस्त कर दिया। एक महीने पहले हटाने का आदेश दिया गया था।

पहले की सरकार भ्रष्टाचार-निगेटिविटी से भरी थी

● नड्डा बोले-मोदी सरकार में ये भावना बदल गई है ● नोटबंदी में लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हो गए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के कामकाज, फैसलों और नीतियों पर भाजपा हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां जनता को भड़का रही थीं, लेकिन लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे थे। लोगों को मोदी जी की लीडरशिप पर भरोसा था। नड्डा ने कहा- देश ने मान लिया था कि अनुच्छेद 370 हटाना मुमकिन नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने कर दिखाया। जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान 58.46 फीसदी वोटिंग हुई, वहीं विधानसभा चुनाव में 63 फीसदी वोट पड़े। यह बदलाव मोदी सरकार के साहसी फैसले का नतीजा है। यह एक पारदर्शी और भविष्य की सोच वाली सरकार है। 11 साल में विकसित भारत की नींव मजबूत हुई है। पहले की सरकार भ्रष्टाचार और निराशा के माहौल से भरी

थी। 2014 के बाद माहौल पूरी तरह बदल गया। आज लोग गर्व से कहते हैं, मोदी है तो मुमकिन है। पिछले 11 सालों में भारत दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में 10वें से 5वें नंबर पर पहुंच गया है। नए आंकड़ों के मुताबिक, अब हम चौथे स्थान पर पहुंचने वाले हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना है। विपक्ष को चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने से पहले सोचना चाहिए। जब आप हिमाचल, पंजाब में जीतते हो तो सब ठीक है। जहां हारते हो, वहां धांधलेबाजी का आरोप लगाते हो। हर बार वे यही बात करते हैं कि इतने वोट जुड़ गए, उतने वोट जुड़ गए। ये कैसे सही है। मुझे याद है नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां फायदा उठाने के लिए जनता को उकसा रही थीं। लेकिन भारत का आम आदमी बैंक के सामने घंटों खड़ा रहा और मोदी सरकार के फैसले का समर्थन किया। जब लीडरशिप पर भरोसा होता है, तो जनता समर्थन करती है। आप भूल गए होंगे, लेकिन मैं भूलता नहीं।

सिद्धारमैया बोले-

मोदी सरकार को जीरो नंबर – मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा,मीडिया प्रचार की वजह से मोदी ने सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। मैं मोदी सरकार को जीरो नंबर दूंगा। जब वे गुजरात के सीएम थे, तब उन्होंने कहा था कि राज्यों को सेंट्रल टैक्स में 50 फीसदी हिस्सा मिलना चाहिए। जब वे पीएम बने तो उन्होंने क्या किया। कर्नाटक के साथ अन्याय हुआ है। जब हम भाजपा से पूछते हैं तो वे कहते हैं कि हम बदनामी कर रहे हैं।

खाटूश्याम में बेटा गंवाने वाली मां बोली-मेरा सबकुछ लुट गया

भोपाल से कई मुरादें लेकर निकली थी, भगवान के दर से बेटा ही चला गया

भोपाल (नप्र)। पता नहीं मेरा रक्षम किस हाल में होगा। कभी मुझ से घंटे भर भी दूर नहीं रहा। दो दिन बीत चुके हैं। लेकिन वह मुझ से दूर है। मेरा तो सबकुछ लुट गया। मेरा बेटा कैसा होगा, किस हाल में होगा। भगवान बस मुझे उससे जल्द से जल्द मिला दे। बस मेरा बच्चा सही-सलामत मिल जाए और कुछ नहीं चाहिए।

यह कहना है भोपाल में ऐशबाग थाना क्षेत्र के पुष्पा नगर वार्ड-39 के महामाई का बाग में रहने वाले तीन साल के बच्चे रक्षम की मां ललिता जाटव (28) पति अजय जाटव का।

राजस्थान के खाटूश्याम में रक्षम के अपहरण के बाद से पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चे की मां ने कहा कि हम गरीब लोग हैं। तीन दिन से किराए के कमरे में होटल में ठहरे हैं, पूरा परिवार यहीं है। पुलिस सिर्फ आश्वासन दे रही है, बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला है।

मीडिया से इकलौते बेटे को मंदिर के एंट्री गेट पर आखिरी बार देखने वाली मां ललिता से फोन पर बात कर पूरे मामले को समझा। बता दें बच्चे की तलाश में सीकर पुलिस की पांच टीमें जुटी हैं। एक टीम मथुरा-वृंदावन, एक जयपुर और तीन टीमें खाटूश्याम के आस-पास तलाश कर रही हैं।

3 बेटियों के बाद पैदा हुआ था बेटा, वह भी खो दिया

मां ललिता ने बताया, पति अजय मिस्त्री का काम करते हैं। बहुत ज्यादा शराब पीते हैं। परिवार में आर्थिक तंगी के हालात हैं। मैं होटल में खाना बनाने का काम करती हूं। लेकिन पति और मेरी कमाई के बाद भी परिवार का गुजारा मुश्किल होता है।

तीन बेटियों के बाद कई मंदिरों में मान-मन्नत करने के बाद बेटे का जन्म हुआ। वह सबसे छोटा और पूरे परिवार का लाड़ला है। मेरा तो पूरा जीवन संघर्ष में बीत रहा है। लेकिन बच्चों के बेहतर भविष्य की चाह में बेटियों को अच्छे स्कूलों में पढ़ा रही हूं। बेटे को भी बहुत कामयाब होता देखना चाहती हूं। पति शराब छोड़ दें।

परिवार से आर्थिक तंगी दूर और बच्चे आने वाले समय में कामयाब रहें, स्वस्थ्य रहें, इन तमाम मुरादों के साथ कई दिनों से खाटूश्याम जाने की इच्छा थी। मां साथ जाने को राजी हुई, तब हम एकादशी पर दर्शन के लिए 6 जून शुक्रवार को भोपाल से खाटूश्याम के लिए रवाना हुए। 7 जून को खाटूश्याम पहुंचे।

नानी बोली- अनजान युवक पर भरोसा भारी पड़ गया

नानी आशा अहिरवार ने बताया कि जयपुर स्टेशन के बाहर पुलिस से सिंधी कैंप का पता पूछा। तभी वहां आरोपी आया। उसने पूछा कि दीदी क्या आप लोग खाटूश्याम जी पहली बार जा रहे हैं। मैंने हां में जवाब दिया। इसके बाद वो भी हमारे साथ चलने लगा। सिंधी कैंप से खाटू श्याम के लिए रवाना हुए। 7 जून की सुबह वहां पहुंचे। वहां पहुंचने के बाद शासकीय सुलभ कॉम्प्लेक्स में फ्रेश होने गए। इस दौरान आरोपी हमारे आसपास ही रहा। वो भी वहीं नहाया। मैं, मेरी बेटी ललिता और बेटा रक्षम तैयार हो चुके थे। तब आरोपी बोला कि मैं तो हर ग्यारस को यहां आता हूं। आपको मैं घुमा देता हूं। मंदिर की पूरी परिक्रमा में वह साथ रहा। खाटू श्याम जी के एंट्री गेट पर पहुंचते ही आरोपी बोला कि आप लोग दर्शन कर आओ। मैं यहां आता रहता हूं। अंदर समय लगेगा। बच्चा बीमार है। इसे मेरे पास ही छोड़ जाओ।

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर सीसीटीवी चेक किए। उसमें आरोपी कैद हो गया। वह लगातार घूमता-फिरता रहा। हमारे अंदर जाने के बाद वह करीब डेढ़ घंटे तक वहीं आसपास रहा जहां बच्चे को छोड़ा था। लेकिन इसके बाद वह चला गया। हमें पता नहीं था हमारे साथ इतना बड़ा विश्वासघात हो जाएगा। युवक लगातार अपनापन जता रहा था। उसने बच्चे की देखभाल भी की। कम समय में ही रक्षम की भी उससे दोस्ती हो गई थी। भरोसा कर रक्षम को छोड़ने की गलती की।

सफर के दौरान भीलवाड़ा में रक्षम को तेज बुखार आया था

बताया जा रहा है कि ट्रेन में सफर के दौरान भीलवाड़ा में रक्षम को तेज बुखार आ गया। मां ललिता ने उसे बुखार की दवा दी तो उसे उल्टियां होने लगीं। इससे बच्चा लगातार मां की गोद में रहा। ललिता थक चुकी थी। इसी बीच अनजान युवक का जब उसे साथ मिला तो उसने भरोसा किया और बच्चे को उसे गोद में दिया। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने चंद घंटों में बच्चे की मां और नानी का विश्वास जीता और मौका मिलते ही उसे लेकर भाग निकला।

सीसीटीवी में बच्चे को फ्रूटी पिलाता दिखा आरोपी युवक

पुलिस जांच में सामने आया कि किडनैपर बच्चे को एक दुकान पर ले गया। जहां उसे फ्रूटी पिलाई। वह पुलिस थाने के आसपास भी घूमा। फिर कहीं गायब हो गया। खाटू श्यामजी थाने के एसएचओ पवन चौबे ने बताया कि आरोपी की तलाश में दो टीमें जुटी हैं। फिलहाल उसका कोई सुराग नहीं मिला है। बच्चे को तलाशने पूरी ताकत से कोशिश की जा रही है। जल्द उसे बरामद कर लिया जाएगा।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु की गरिमामय उपस्थिति में विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को

बड़वानी में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि रहेंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा। इनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशानिर्देश/मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम दिवस में प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहाँ उन्हें आनुवंशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग तथा परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी।

सिकल सेल रोगियों और उनके देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी तीव्र स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। जिले की विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य स्तर पर विकसित जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा, जिससे लोगों को आनुवंशिक जानकारी समझने में सुविधा होगी। विकलांगता योजनाओं और वित्तीय सहायता से सिकल-सेल रोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल करने के लिए यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए मेगा शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा।

प्रदेश में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 5 लाख नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है। इनमें 2 लाख से अधिक वाहक चिन्हित हुए और 28 हज़ार 297 लोग सिकल सेल रोग से ग्रसित पाए गए। इन मरीजों का उपचार जारी है। अब तक 75 लाख 36 हज़ार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। जिनसे प्रभावित नागरिक अपनी स्वास्थ्य स्थिति को समझ कर उचित उपचार प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश में मिशन की शुरुआत 15 नवंबर 2021 को राज्य हिमोग्लोबिनोपैथी मिशन के रूप में अलीराजपुर और झाबुआ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिशन को 1 जुलाई 2023 को राष्ट्रीय स्तर पर शहडोल से लॉन्च किया था। वर्तमान में प्रदेश के 33 जिलों में स्क्रीनिंग जारी है, जिसमें 20 जिलों के 89 विकासखंड एवं 13 अतिरिक्त जिले (पीएम जनमन योजना) शामिल हैं। सिकल सेल उन्मूलन के लिए हमने एम्स भोपाल में नवजात शिशुओं की 72 घंटे में जाँच के लिए विशेष लैब स्थापित है। सभी चिन्हित मरीजों को हाइड्रॉक्सीउरिया, फॉलिक एसिड और निःशुल्क रक्ताधान की सुविधा प्रदान की जा रही है। गंभीर मरीजों के लिए इंदौर मेडिकल कॉलेज में बोनमेरो ट्रांसप्लांट यूनिट स्थापित की गई है, जहाँ 100 से अधिक ट्रांसप्लांट हो चुके हैं। रीवा में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित किया गया है। मध्यप्रदेश में मिशन के तहत 2047 तक सिकल सेल को पूरी तरह समाप्त करने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सतत और सशक्त प्रयास किये जा रहे है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

राजभवन में मनाया गया बलिदान दिवस

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन राजभवन के वैंक्वेट हॉल में किया गया।

राज्यपाल श्री पटेल ने धरती आबा बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। भगवान बिरसा मुंडा को राजभवन के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेटियाँ अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं : राज्यमंत्री जायसवाल

सेवा भारती द्वारा आयोजित बालिकाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने सेवा भारती माधव मंडल, भोपाल द्वारा बालिकाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सहभागिता की। उन्होंने बालिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेटियां अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और वे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर समान अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा दिलाने के लिए काम किया जा रहा है। बालिकाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि सेवा भारती द्वारा 13 वर्ष से 18 वर्ष की बालिकाओं को जूडो, मार्शल आर्ट एवं कराटे का प्रशिक्षण देकर आत्मरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। श्री जायसवाल ने कहा कि सेवा भारती का यह प्रयास बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। बालिकाओं को तुलसी का पौधा भेंट कर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में माधव मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मंजुलता शर्मा, मंडल प्रभारी श्री राम रघुवंशी, समाजसेवी श्री उमेश और बड़ी संख्या मं छात्राएं उपस्थित थीं।

18 साल की रेप पीड़िता की मौत

बिना पोस्टमॉर्टम परिजनों ने शव दफनाया, पुलिस ने कब्र खोदकर निकाला

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग में रहने वाली 18 साल की रेप पीड़िता की गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात मौत हो गई। फरवरी महीने में उसने एक युवक पर रेप का केस दर्ज कराया था।

एफआईआर से पहले उसने टायलेट क्लीनर पीकर सुसाइड की कोशिश की थी। लंबे इलाज के बाद उसकी जान बच गई थी, लेकिन तबीयत लगातार खराब रहने लगी थी। पुलिस का कहना है कि रेप पीड़िता की मौत के बाद पुलिस को सूचित किए बगैर दफन कर दिया था। रविवार शाम को कोर्ट के आदेश पर बॉडी को कब्जे में लेकर पीएम के निकाला गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

शादी का झांसा देकर 2 साल किया शोषण

पुलिस के अनुसार 18 साल की युवती ऐशबाग इलाके में रहती थी। उसकी अयान नामक युवक से दोस्ती थी। बाद में दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। इस दौरान अयान ने शादी का प्रलोभन देकर दो साल तक उसका दैहिक शोषण किया। अयान कहता था कि बालिग होने के बाद शादी कर लेगा।

वह बालिग हुई और तो युवती ने फरवरी माह में उसने शादी करने की बात कही। लेकिन आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया। दोनों के बीच शादी की बात लेकर विवाद होने लगा। इससे दुखी होकर पीड़िता ने टायलेट क्लीनर पी लिया।

बयानों के बाद दर्ज हुई थी एफआईआर

परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे और उसका इलाज चल रहा था। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता के बयान लिए। पीड़िता ने बताया कि अयान ने उसे धोखा दिया है।

पुलिस ने बयान के आधार पर आरोपी अयान के खिलाफ बलात्कार, दैहिक शोषण और पास्को एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी जेल में बंद है।

कब्र से बाहर निकाला गया शव

ऐशबाग थाने के एसआई जनार्दन मिश्रा ने बताया कि रविवार दोपहर एसडीएम से परमिशन लेने के बाद देर शाम कब्र की खुदाई कर युवती की लाश को बाहर निकाला गया है। हमीदिया अस्पताल के मॉर्चुरी में शव रखवा दिया है। सोमवार को पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिवंगत आनन्द सिन्हा की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

भोपाल। वरिष्ठ संस्कृति कर्मी, लेखक, समीक्षक और सर्वप्रिय साथी आनन्द सिन्हा की स्मृति में स्थानीय अर्घ्य प्रेक्षा गृह, गांधी भवन भोपाल में विगत 8 जून को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में प्रबुद्ध वक्ताओं ने दिवंगत आनन्द सिन्हा जी के सरल, सहज, उदार, खुशमिजाज व्यक्तित्व और साहित्यिक, सांस्कृतिक परिदृश्य में उनके प्रेरक अवदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर विजय बहादुर सिंह, जगदीश कौशल, अजय बोकिल, बसन्त निर्गुण, रामप्रकाश त्रिपाठी, सुधीर सक्सेना, अशोक बुलानी, प्रेम गुप्ता, दिनेश नायर, बृजेश अनय, राम सिन्हा, अजय प्रकाश श्रीवास्तव ने विभिन्न संस्मरणों के माध्यम से दिवंगत आनन्द सिन्हा जी को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

भोपाल में जेपी के नए भवन का प्लान फिर बदला

उप मुख्यमंत्री ने कहा- कैथलैब का नए सिरे से होगा टेंडर, दिल के मरीजों को मिलेगा इलाज

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जेपी अस्पताल का बहुप्रतीक्षित 5 मंजिला नए भवन का प्लान एक बार फिर से अपडेट किया जा रहा है। यही नहीं, पहले कैथलैब बनाने के प्रोजेक्ट को कैंसिल करते हुए पुरानी टेंडर प्रक्रिया रोक दी गई। लेकिन यह मामला जब उप मुख्यमंत्री डॉ. राजेंद्र शुक्ल के संज्ञान में आया तो उन्होंने जल्द नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया कर यह सुविधा शुरू करने के आदेश दिए हैं। हालांकि, चिंताजनक बात यह है कि इस लेटलतीफी का सीधा खामियाजा उन दिल के मरीजों को भुगतना पड़ेगा जिन्हें सरकारी इलाज की सबसे ज्यादा जरूरत है।

इधर, इस महीने की 30 तारीख को यह नया भवन अस्पताल प्रशासन को सौंपा जाना था। लेकिन, यह तीसरी डेडलाइन एक बार फिर, भवन अधूरा होने के कारण आगे बढ़ सकती है। अब तक भवन की चौथी मंजिल और पांचवी मंजिल का काम पूरा नहीं हुआ है। यही नहीं, इस नए भवन को पुराने भवन से जोड़ने का काम अब तक शुरू ही नहीं किया गया है।

सिर्फ कागजों पर ही रह गया प्रोजेक्ट- साल 2023 में विभाग ने जेपी अस्पताल में 30 बेड की एक एडवांस कार्डियक यूनिट बनाने का प्रस्ताव मंजूर किया था। इसे अप्रैल 2024 तक शुरू किया जाना था, लेकिन बार-बार प्रोजेक्ट में देरी होती गई और इसके साथ ही इसकी लागत भी बढ़ती गई। इस बेहिसाब देरी और लागत वृद्धि का नतीजा यह हुआ कि कैथलैब (दिल से जुड़े ऑपरेशनों के लिए एक विशेष ऑपरेशन थिएटर) के लिए जरूरी मशीनों का टेंडर खुलने के बाद भी, इसे रद्द कर दिया गया। इस यूनिट में मॉडर्न कैथ लैब के साथ-साथ दिल की जटिल सर्जरी के लिए जरूरी सभी उपकरण होने का दावा किया गया था, लेकिन अब यह सब सिर्फ कागजों पर ही रह गया है।

मरीजों को महंगे इलाज के लिए होना पड़ेगा मजबूर- कैथलैब के प्रोजेक्ट की देरी की सबसे ज्यादा मार गरीब और जरूरतमंद मरीजों पर पड़ेगी। दिल से जुड़ी जांचें और ऑपरेशन, जो सरकारी अस्पताल में बेहद कम या मुफ्त में होते हैं, अब उन्हें निजी अस्पतालों में लाखों रुपए खर्च करके करवाने पड़ेंगे।

एमपी में पारा 44 डिग्री पार, आज से लू चलेगी

आज 11 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट ; भोपाल-इंदौर में गर्मी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से में आंधी-बारिश का अलर्ट है, जबकि भोपाल, इंदौर-उज्जैन समेत बाकी जिलों में गर्मी का असर ता। 10 और 11 जून को ग्वालियर-चंबल संभाग में हीट वेव यानी, लू चलने का अनुमान है। इससे पहले रविवार को प्रदेश में दिन का तापमान 44 डिग्री पार पहुंच गया, जबकि 21 शहर ऐसे रहे, जब तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया।

नौतपा के बाद सूरज के तेवर तीखे हो रहे हैं। पिछले 2 दिन से प्रदेश के कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। अगले 4 दिन यानी, 12 जून तक आंधी, बारिश और गरज-चमक के साथ गर्मी वाला मौसम भी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को मई-जून में पहली बार पारा 44 डिग्री के पार पहुंच गया। छतरपुर जिले के नौगांव में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, 21 शहरों में तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक रहा।

टीकमगढ़ में 43.7 डिग्री, खजुराहो-शिवपुरी में 43.6 डिग्री, शिवपुरी-सागर में 43 डिग्री, सतना में 42.7 डिग्री, दमोह में 42.5 डिग्री, रीवा में 42.4 डिग्री, शाजापुर में 42.2 डिग्री, सीधी में 42 डिग्री, उमरिया में 41.4 डिग्री, मलाजखंड में 41 डिग्री, मंडला में 40.5 डिग्री, नर्मदापुरम में 40.4 डिग्री, सिवनी-रतलाम में तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 43.4 डिग्री पहुंच गया। भोपाल में 41.6 डिग्री, उज्जैन में 41.2 डिग्री, जबलपुर में 42.2 डिग्री और इंदौर में 38.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अभी 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से कई जिलों में मौसम बदला हुआ है। सोमवार को अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में गरज-चमक, आंधी और हल्की बारिश का अलर्ट है। बाकी जिलों में गर्मी का असर बना रहेगा।

12 घंटे सुलगती रही भोपाल की पुट्ठा फैक्ट्री

50 दमकलें-टैंकर आग बुझाने में लगी रहीं ; गोविंदपुरा की बस्ती खाली कराई थी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के एच सेक्टर आदर्श नगर स्थित वरुण इंटर प्राइजेज पुट्ठा (पेपर के गत्ते) बनाने की फैक्ट्री में करीब 12 घंटे तक आग सुलगती रही। सोमवार सुबह 7 बजे तक भी धुआं निकलता रहा। देर रात 50 से ज्यादा दमकलों और टैंकरों की मदद से भीषण आग पर काबू तो पा लिया गया था, लेकिन पुट्ठों की वजह से वह बार-बार सुलगती रही। अभी भी मौके पर दमकलें तैनात की गई हैं।

बता दें कि फैक्ट्री में रविवार शाम 7 बजे आग लग गई थी। आग तेजी से फैलती की गई। इस वजह से पास की झुग्गी बस्ती को तत्काल खाली कराना पड़ा। झुग्गियों तक आग न पहुंचे, इसके लिए सबसे पहले दमकलकर्मियों ने वहीं मोर्चा संभाला। इसके बाद फैक्ट्री के अंदर की आग पर काबू पाने की कोशिश रात भर चलती रही। हालांकि, सुबह तक आग काबू में आ गई, लेकिन कुछ जगहों से वह बार-बार सुलग रही थी। इस कारण दमकलें मौके पर ही तैनात रही।

इस वजह से लगी आग- फैक्ट्री में रखे कागज के रोल और प्लास्टिक की मौजूदगी के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। आग बुझाने के लिए शहर के सभी फायर स्टेशनों से दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। कुल 10 फायर फाइटर, 2 वाटर बाऊजर और 8 टैंकर ने करीब 5-5 बार पानी की रिफिलिंग कर आग पर काबू पाने की कोशिश की। 50 से ज्यादा टैंकर और दमकलें आग बुझाने में लगे रहे।

बंद फैक्ट्री का ताला तोड़ा

जानकारी के अनुसार, रविवार होने से फैक्ट्री बंद थी, इसलिए फायर फाइटर्स ने दरवाजा तोड़ा। तभी आग से जलकर टीन शेड से बनी छत नीचे गिर गई। इससे फायरमैन को अंदर घुसने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालात को देखते हुए मौके पर जेसीबी बुलाकर टीन शेड हटाया गया।

आग से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। देर रात तक लोग झुग्गियों से बाहर सड़कों पर डटे रहे। घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड के साथ ही अशोका गार्डन थाने से पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका था।

मार्च में भी लगी थी एक फैक्ट्री में आग

गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में इससे पहले 1 मार्च को भी एक केमिकल फैक्ट्री में आग लग चुकी है। इसे बुझाने में भी 7 घंटे का समय लगा था।

संपादकीय

बांग्लादेश - चुनाव की घोषणा या नाटक

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सेना और राजनीतिक दलों के दबाव में देश में अगले साल अप्रैल के पहले पखवाड़े में आम चुनाव कराने का ऐलान जरूर कर दिया है, लेकिन उस पर ईमानदारी से अमल होगा, इसमें सभी को संदेह है। बांग्लादेश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने इस फैसले का विरोध किया है तो वर्तमान में देश में प्रतिबंधित अवामी लीग ने भी इसकी आलोचना की है। सेना भी युनूस के ऐलान से खुश नहीं बताई जाती है। असल में कामचलाऊ सरकार के मुखिया के रूप में बिठाए युनूस को कुर्सी का चस्का लग गया है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में युनूस ने देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रतिस्पर्द्धी चुनाव कराने का ऐलान किया। लेकिन इस पर अभी से प्रश्नचिन्ह है। क्योंकि देश की सबसे बड़ी और भारत समर्थक अवामी लीग को पहले बैन कर दिया गया है। इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का दावा तो पहले ही खारिज हो गया है। यूनुस पर राजनीतिक दलों की मांग को अनदेखा करने का आरोप भी है। हालांकि ज्यादातर दल इस दिसंबर के पहले चुनाव की मांग पर अड़े हुए हैं। लेकिन प्रश्न यह भी है कि क्या बांग्लादेश का चुनाव आयोग इतने कम समय में मतदाता सूची को अंतिम रूप देने और निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जैसे जटिल कार्यों को कर पाएगा? दूसरी तरफ मुख्य सलाहकार की अगुवाई वाले नेशनल कंसेंसस कमीशन के उपाध्यक्ष प्रोफेसर अली रियाज का कहना है कि यदि राजनीतिक दलों का सहयोग जारी रहा तो अगले महीने के भीतर जुलाई चार्टर सहित सुधार कार्यक्रमों को अंतिम रूप देना संभव होगा। यहां बात चुनाव की ही नहीं हैं, आज बांग्लादेश जिस अराजक स्थिति से गुजर रहा है, तब सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती सभी दलों को एकजुट करना और विश्वास का माहौल बनाने की भी है। जैसे कि शेख़ हसीना सरकार के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान हुआ हत्याओं के मामलों का फ़ेयर ट्रायल करवाना। एक्सपर्ट्स का कहना है कि युनूस को ये विश्वास पैदा करना होगा कि सरकार निष्पक्ष चुनाव और समान अवसर के लिए माहौल बना सकती है। इसके अलावा कानून-व्यवस्था स्थापित करना, पुलिस सहित विभिन्न संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम बनाना, गैर-विवादास्पद मतदाता सूची बनाना, निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन पुराने कानून के आधार पर होगा या नए कानून के आधार पर होगा आदि। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युनूस सरकार के लिए असली चुनौती यह विश्वास हासिल करना होगा कि वे तटस्थ रहते हुए निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराना चाहते हैं। पिछले चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी प्रतिद्वंद्वी पार्टी बीएनपी को बैन कर दिया था। इसलिए उन चुनाव नतीजों और उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठे थे। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने तो उन्हें स्वीकार कर लिया पर लोगों ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। अगर अवामी लीग स्वतंत्र उम्मीदवारों के जरिए अथवा किसी और नाम से चुनाव लड़ती है और उसे अच्छा समर्थन मिलता है तो और पेचीदा स्थिति बनेगी। जैसे कि पाकिस्तान में चुनाव बाद बनी। वहां के सत्ताधीशो और सेना ने इमरान खान की पार्टी को बैन कर दिया और धांधली कर फिर से सत्ता में आ गए। जबकि उन्हे जनादेश मिला ही नहीं था। पाकिस्तान के जन नेता इमरान खान आज जेल में हैं और लगातार सेना से लोहा ले रहे हैं। बांग्लादेश में भी वैसा ही कुछ हो सकता है। इस चुनाव में जमायते इस्लामी जैसे कट्टरपंथी संगठनों के भाग लेने की भी संभावना है। अगर उसे अच्छा समर्थन मिला तो बांग्लादेश के पाकिस्तान और अफगानिस्तान बनने में देर नहीं लगेगी।

अमेरिका के भरोसे को कमजोर करते ट्रंप

अमेरिका के भीतर भी ट्रंप ने एक के बाद एक गैर जरूरी ऐसे फैसले लिए जो अमेरिकी परंपरा व संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध थे। अतएव अदालतों में ये फैसले टिक नहीं पाए। अमेरिकी प्रथम की रणनीति से जुड़े ऐसे अप्रासंगिक व विवादित निर्णय और कानूनी चुनौतियां अभी भी थम नहीं रही हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर और फिर युद्धविराम का श्रेय लेने की होड़ में ट्रंप के शरारती एक्स संदेश से भी उनकी छवि धूमिल हुई है। असमंजस और अमर्यादित आचरण के प्रदर्शनों से अमेरिका की कूटनीतिक स्थिरता को बड़ा झटका लगा है। ऐसे व्यवहार से जहां ट्रंप बौने लगने लगे हैं, वहीं लगता है, जल्दी ही दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ती दिखाई देगी और अमेरिका अलग-अलग दिखाई दे सकता है।

नजरिया

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया था कि वे रूस-यूक्रेन तथा इजरायल एवं हमास के बीच चल रहे युद्धों को समाप्त कर शांति स्थापित कर देंगे। परंतु कोई परिणाम नहीं दे पाए। इसके उलट हाल ही में यूक्रेन ने बड़ा हमला करके रूस के साइबेरिया में स्थित परमाणु वमवर्षक विमानों को ध्वस्त करके बड़ी शिकस्त दे दी है। ड्रोन से बेलाया वायुसेना अड्डे पर हमला करके रूसी वायुसेना के 40 विमानों को अग्नि में होम कर दिया। यहीं नहीं इस हमले के बाद यूक्रेन ने रूस को फिर निशाना बनाया। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी एसबीयू ने रूस को क्रीमीया से जोड़ने वाले क्रेच पुल को विस्फोटक से उड़ा दिया। इस पुल को पानी के भीतर 1100 किलो विस्फोटक लगाकर ध्वस्त किया गया। इन दो बड़े आक्रमणों से तय होता है कि यूक्रेन फिलहाल अमेरिका के दबाव में नहीं है। अमेरिका के पास ऐसा कोई कूटनीतिक इलाज भी नहीं दिखता है कि वह यूक्रेन और रूस को समझौते के लिए राजी कर पाए, क्योंकि रूस ने भी यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। आशंका तो अब यह बढ़ गई है कि परमाणु हथियार सक्षम रूस कहीं यूक्रेन पर परमाणु हमला न कर दे ?

अमेरिका के भीतर भी ट्रंप ने एक के बाद एक गैर जरूरी ऐसे फैसले लिए जो अमेरिकी परंपरा व संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध थे। अतएव अदालतों में ये फैसले टिक नहीं पाए। अमेरिकी प्रथम की रणनीति से जुड़े ऐसे अप्रासंगिक व विवादित निर्णय और कानूनी चुनौतियां अभी भी थम नहीं रही हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर और फिर युद्धविराम का श्रेय लेने की होड़ में ट्रंप के शरारती एक्स संदेश से भी उनकी छवि धूमिल हुई है। असमंजस और अमर्यादित आचरण के प्रदर्शनों से अमेरिका की कूटनीतिक स्थिरता को बड़ा झटका लगा है। ऐसे व्यवहार से जहां ट्रंप बौने लगने लगे हैं, वहीं लगता है, जल्दी ही दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ती दिखाई देगी और अमेरिका अलग-अलग दिखाई दे सकता है।

यह संभावना ट्रप के चुनावी अभियान में 2100 करोड़ रुपये का चंदा देने व ट्रंप का खुला समर्थन करने वाले कारोबारी एलन मस्क की ट्रंप की दोस्ती टूटने से भी बड़ी है। एक समय के जिगरी दोस्त जानी दुश्मन बनते दिखाई दे रहे हैं। एलन मस्क बार-बार ट्रंप द्वारा लागू कर विधेयक की आलोचना कर रहे थे। इस पर ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी कि मस्क मुझे निराश कर रहे हैं। इसके बाद दोनों में जुबानी जंग छिड़ गई। ट्रंप ने कटाक्ष किया कि मस्क को ट्रंप डेरेंजमेंट सिंड्रोम यानी ट्रंप अव्यवस्था दोष हो गया है। मसलन ट्रंप जिस तरह से टैरिफ से लेकर नई-नई नीतियां बदल रहे हैं, उससे अव्यवस्था फैल रही है, जो मस्क को पसंद नहीं है। ट्रंप के इस कटाक्ष के बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क भी कहां चूकने वाले थे, उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि यदि मैं न होता तो ट्रंप चुनाव हार जाते। गोया ट्रंप ने उनके साथ बेवफाई की है। ट्रंप की यह बेवफाई केवल मस्क के साथ अब नहीं है, बल्कि अनेक उन यूरोपीय देशों के साथ भी दिखाई दे रही है, जो अमेरिका या ट्रंप की प्रत्येक कूटनीतिक रणनीति में भागीदार रहे हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से भी ज्यादा समय से

चल रहा युद्ध न केवल यूरोप में बल्कि दुनिया में परमाणु हथियारों की महत्ता से जुड़ा परिदृश्य बदल रहा है। इस परिदृश्य को भी ट्रंप द्वारा दिया यह बयान कि 'यूरोपीय देशों के नाटो सदस्य यूक्रेन के परिप्रेक्ष्य में अमेरिका के बराबर जिम्मेदारी नहीं झेल रहे हैं। इस कारण इस गठबंधन की प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगाए जाने लगे हैं।' नाटो गठबंधन के 12 संस्थापक सदस्य थे। 4 अप्रैल 1949 को गठित इस गठबंधन को 'उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन' कहा जाता है। दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत रूस की सेनाएं मध्य और पूर्वी यूरोप में तैनात थीं। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक और भू-राजनीतिक तनाव का दौर था। हालांकि दूसरे विश्वयुद्ध में ये दोनों देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल नहीं थे, लेकिन एक-दूसरे के विरुद्ध अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे थे। अमेरिकी पूंजीवादी विचारों का पोषक रहा, जबकि सोवियतसंघ साम्यवादी विचारों का अनुयायी रहा। यही वैचारिक संघर्ष शीतयुद्ध कहलाता है। कालांतर में इन देशों की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत ने पूरी दुनिया को दो ध्रुवीय व्यवस्था में बदलने का काम किया। किंतु 26 दिसंबर 1991 को सोवियत संघ के विघटन के बाद 15 नए देश अस्तित्व में आए, इन्हीं में रूस और यूक्रेन शामिल हैं।

ट्रंप द्वारा नाटो गठबंधन की प्रासंगिता पर सवाल उठाए जाने के बाद अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायताएं भी स्थगित कर दी गईं। नतीजतन फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनूएल मैक्रों को जबावी हमला करने का मौका मिल गया। मैक्रों ने यूरोपीय मित्र देशों के समक्ष फ्रांस के परमाणु भंडारों को सुरक्षा देने का प्रस्ताव रख दिया। मसलन एक समय परमाणु हथियार निरस्त्रीकरण की जो बात हो रही थी, वह सशस्त्रीकरण की सुरक्षा की ओर बढ़ गई। क्योंकि यूक्रेन पर रूस ने जो हमला बोला था, उसकी पृष्ठभूमि में एक बड़ा कारण यूक्रेन के पास परमाणु हथियार नहीं होने की लाचारी भी रहा है। फ्रांस का यह प्रस्ताव विश्व-व्यवस्था में परमाणु शस्त्रीकरण की नई इबारत लिखना है। इसके बाद ब्रिटेन और इटली ने भी रूस और यूक्रेन के बीच शांति के न्यायोचित समाधान खोजने की मांग उठा दी। तत्पश्चात यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेरलेयेन ने 800 बिलियन डॉलर से लेकर 1 ट्रिलियन डॉलर तक की रक्षा खर्च की योजना पेश कर दी। संघ के 26 सदस्य देशों ने इसे हाथों हाथ समर्थन भी दे दिया। इसका उद्देश्य यूरोप की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है, विशेष रूप से यूक्रेन युद्ध के बाद की स्थिति में, क्योंकि यूक्रेन रूस के बर खिलाफ जो दम तीन साल से भरे हुए है, उसके पीछे यूरोपीय संघ और नाटो देशों की ही आर्थिक और सामरिक शक्तियां काम कर रही हैं। अब यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने संयुक्त हथियार खरीद के लिए 150 अरब यूरो का कोष स्थापित करने की सहमति जता दी है। नाटो और यूरोपीय संघ का यह कूटनीतिक उत्तर अमेरिका की नाटो से संभावित निकासी या उसकी धनराशि कम करने के परिप्रेक्ष्य में है।

दरअसल ये देश परमाणु शक्ति संपन्न देश होने के कारण रूस को एक बड़ा खतरा मानकर चल रहे हैं और यूक्रेन के पीछे खड़े होकर रूस की बर्बादी देखने के इच्छुक हैं। अतएव ट्रंप की समझौते से जुड़ी रणनीति के विरुद्ध अभी यह टकराव बना रहेगा। यह युद्ध इसलिए लंबा चलने वाला है, क्योंकि हाल ही में तुर्की में रूस और यूक्रेन के बीच हुई वार्ता में ब्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया हैं कि उन्हें केवल एक ही बात मंजूर है और वह यूक्रेन का समर्पण ! रूस यह मांग इसलिए कर रहा है, क्योंकि उसने यूक्रेन के 5 प्रांतों के 19 फीसदी भू-भाग पर कब्जा कर लिया है। इसलिए उसे उम्मीद है कि देर-सबेर वह यूक्रेन को पराजित कर देगा। अमेरिका के पास इस स्थिति में युद्ध खत्म करने की कोई नीति या कूटनीति नहीं है। ट्रंप जिस तरह की दादागिरी के आचरण और एकतरफा निर्णय लेने के मूड में हैं, उस स्थिति में युद्धविराम तब तक संभव नहीं है, जब तक नाटो और यूरोपीय संघ के देश ट्रंप की बात मानने को सहमत न हो जाएं ?

आपका अंतिम उपहार, किसी की पहली रोशनी

विश्व नेत्रदान दिवस

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

लेखक प्रोफेसर हैं।

जब जीवन की अंतिम साँसें गिनती शुरू होती हैं, तब भी किसी और के जीवन में उजाला भरने का संकल्प लेना इंसान को साधारण से असाधारण बना देता है। नेत्रदान एक ऐसा पुण्य कार्य है, जो न केवल हमारे जीवन को सार्थकता प्रदान करता है, बल्कि किसी अंधेरी दुनिया में रोशनी की किरण बनकर किसी और का जीवन संवार देता है। विश्व नेत्रदान दिवस, जो हर साल 10 जून को मनाया जाता है, हमें यह अवसर देता है कि हम अपनी आँखों से केवल अपनी दुनिया को ही नहीं, बल्कि किसी और की दुनिया को भी रंगों से भर दें। यह एक ऐसा मौका है, जो हमें याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा किसी को देखने की शक्ति देना है।

भारत में नेत्रहीनता एक गंभीर समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, भारत में लगभग 1.2 करोड़ लोग कॉर्नियल ब्लाइंडनेस से पीड़ित हैं, और इनमें से करीब 20 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्हें नेत्र प्रत्यारोपण के माध्यम से दृष्टि प्रदान की जा सकती है। नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट (एनपीसीबी×वीआई) के आँकड़ों के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष केवल 50,000 से 60,000 नेत्रदान होते हैं, जबकि आवश्यकता 1 लाख से अधिक कॉर्निया की है। इस कमी का प्रमुख कारण है जागरूकता की कमी, सामाजिक मिथक, और नेत्रदान की प्रक्रिया के प्रति भय। कई लोग यह मानते हैं कि नेत्रदान से मृत शरीर की शक्ल बिगड़ जाती है या यह धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ है। लेकिन सच्चाई यह है कि नेत्रदान एक सरल, सुरक्षित और मानवीय प्रक्रिया है, जो किसी की भी धार्मिक या सांस्कृतिक भावनाओं का उल्लंघन नहीं करती।

नेत्रदान मृत्यु के बाद किया जाने वाला एक ऐसा कार्य है, जो कुछ ही मिनटों में पूरा हो जाता है। मृत्यु के 6 से 8 घंटों के भीतर कॉर्निया निकाल लिया जाता है, जो आँख का वह पारदर्शी हिस्सा है, जो प्रकाश को केंद्रित करता है। यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म होती है कि मृत व्यक्ति के चेहरे की सामान्य पहचान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। राष्ट्रीय नेत्र बैंक और अन्य प्रमाणित संस्थानों ने इस प्रक्रिया को और भी विश्वसनीय और पारदर्शी बनाया है। आश्चर्यजनक रूप से, नेत्रदान के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। एक नवजात शिशु से लेकर 80 वर्ष के बुजुर्ग तक, कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है। यहाँ तक कि चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग भी नेत्रदान के लिए पात्र हैं, बशर्ते उनकी कॉर्निया स्वस्थ हो। कैंसर, एचआईवी, या कुछ संक्रामक रोगों को छोड़कर, अधिकांश लोग इस पुण्य कार्य का हिस्सा बन सकते हैं।

नेत्रदान की प्रक्रिया को समझना भी आवश्यक है। जब कोई व्यक्ति नेत्रदान का संकल्प लेता है, तो उसका पंजीकरण निकटतम नेत्र बैंक में किया जाता है। मृत्यु के बाद, परिवार के सदस्यों को तुरंत नेत्र बैंक को सूचित करना होता है। विशेषज्ञों की टीम कॉर्निया को सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से निकालती है। इसके बाद, कॉर्निया को नेत्र प्रत्यारोपण के लिए उपयुक्त मरीजों तक पहुँचाया जाता है। भारत में कई नेत्र बैंक, जैसे दिल्ली का डॉ. राजेंद्र प्रसाद सेंटर फॉर ऑफ्थैल्मिक साइंसेज और चेन्नई का शंकर नेत्रालय, इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। ये संस्थान न केवल नेत्रदान को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करते हैं कि दान की गई कॉर्निया जरूरतमंद तक समय पर पहुँचे।

नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में नेत्रदान पर कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए। धार्मिक नेताओं को आगे आकर मिथकों को तोड़ना चाहिए, क्योंकि कोई भी धर्म मानवता की सेवा के खिलाफ नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया भी इस मुहिम को गति दे सकते हैं। हाल के वर्षों में, कई बॉलीवुड फिल्मों और वेब सीरीज ने नेत्रदान को बढ़ावा देने का प्रयास किया है, जिसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। फिर भी, हमें स्थानीय स्तर पर, गाँवों और कस्बों में, इस संदेश को पहुँचाने की आवश्यकता है। पंचायतें, सामुदायिक केंद्र, और स्थानीय चिकित्सा संस्थान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।कल्पना कीजिए कि आपके दान किए गए नेत्रों से कोई बच्चा पहली बार अपनी माँ का चेहरा देखता है। कोई छात्र अपनी किताबों के अक्षरों को पढ़ पाता है। कोई माता-पिता अपने बच्चों के साथ फिर से रंगों की दुनिया में लौट आता है। यह कितना बड़ा उपहार है, जो हम मृत्यु के बाद भी दे सकते हैं। नेत्रदान केवल आँखें दान करना नहीं है; यह किसी की जिंदगी में रोशनी, उम्मीद और खुशी लाने का माध्यम है। एक कॉर्निया दो लोगों की जिंदगी बदल सकती है, क्योंकि इसे दो भागों में बाँटकर दो मरीजों में प्रत्यारोपित किया जा सकता है। इस तरह, एक व्यक्ति का संकल्प दो जिंदगियों को रोशन कर सकता है।

आधुनिक तकनीक ने नेत्रदान को और भी सरल और प्रभावी बनाया है। डिजिटल रजिस्ट्रेशन, 24×7 हेल्पलाइन, और मोबाइल ऐप्स ने लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने में मदद की है। भारत सरकार का एनपीसीबी×वीआई प्रोग्राम भी नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय है। फिर भी, सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाएँ अभी भी इस पुण्य कार्य में रुकावट बन रही हैं। कई लोग यह मानते हैं कि नेत्रदान से मृत्यु के बाद आत्मा को शांति नहीं मिलती। लेकिन यह एक भ्रांति है। सभी प्रमुख धर्म, जैसे हिंदू, इस्लाम, ईसाई, और सिख, मानवता की सेवा को सर्वोच्च मानते हैं। नेत्रदान को धार्मिक ग्रंथों में भी एक महान कार्य के रूप में देखा जाता है।

विश्व नेत्रदान दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम न केवल स्वयं नेत्रदान के लिए पंजीकरण करवाएँ, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि नेत्रदान एक सामाजिक जिम्मेदारी है, न कि केवल एक व्यक्तिगत निर्णय। यदि हर व्यक्ति केवल एक अन्य व्यक्ति को इस कार्य के लिए प्रेरित कर दे, तो हम जल्द ही उस कमी को पूरा कर सकते हैं, जो आज नेत्र प्रत्यारोपण की राह में बाधा बन रही है।

मृत्यु जीवन का अंत नहीं है; यह एक नई शुरुआत का द्वार हो सकता है। नेत्रदान के माध्यम से हम किसी की दुनिया को रंगों से भर सकते हैं, किसी के सपनों को साकार कर सकते हैं। यह एक ऐसा दान है, जो न केवल दृष्टि देता है, बल्कि आत्मा को भी सुकून देता है। जब हम इस दुनिया को छोड़कर जाएँ, तो हमारी आँखें किसी और की जिंदगी में रोशनी बनकर रहें। इस विश्व नेत्रदान दिवस पर हम यह प्रतिज्ञा करें कि हम उस रोशनी का हिस्सा बनेंगे, जो किसी की अंधेरी दुनिया को रोशन करेगी। क्योंकि, जब आपकी आँखें किसी और की जिंदगी में सूरज की पहली किरण बनेंगी, तब आप सही मायनों में अमर हो जाएँगे।

मुद्दा

राजीव खण्डेलवाल

(लेखक कर सलाहकार एवं पूर्व नगर सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

शर्मिष्ठा पनोली पर पुलिसिया कार्रवाई सही लेकिन "न्यायिक कार्यवाही?"

पश्चिम बंगाल की रहने वाली पुणे की कानून की छात्रा सोशल मीडिया और इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर 22 वर्षीय शर्मिष्ठा पनोली के इंस्टाग्राम में किये गये एक पोस्ट के विरूद्ध कोलकाता स्थित 'रशीदी फाउंडेशन'' के सह-संस्थापक वजाहत खान द्वारा कोलकाता के कई थाने व पुणे (महाराष्ट्र) में हुई दर्ज ''प्राथमिकी'' पर पश्चिम बंगाल की पुलिस ने हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने पोस्ट की 'आपत्तिजनक भाषा सामाजिक अशांति' पैदा कर सकती है, के आधार पर जमानत देने से इनकार कर शर्मिष्ठा पनोली को 13 जून तक ''न्यायिक हिरासत'' में भेज दिया। शर्मिष्ठा पनोली पर उक्त पोस्ट में 'अभद्र अपमानजनक भाषा' का उपयोग करते हुए 'सांप्रदायिक नफरत' फैलाने, इस्लाम व पैगंबर मोहम्मद के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी से धार्मिक आस्था के अपमान का आरोप प्राथमिकी में लगाया गया। फलतः उनके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1)(ए) 299, 352 एवं 353(1)(सी) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर धारा 35 के अंतर्गत शर्मिष्ठा व उनके परिवार के सदस्यों को नोटिस देने के असफल प्रयासों के बाद फरार होने से कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी करवाने के पश्चात उन्हें गिरफ्तार किया गया। यद्यपि शर्मिष्ठा ने विवाद बढ़ने पर 24 घंटे के भीतर ही विवादित पोस्ट डिलीट करने के साथ-साथ माफी भी मांग ली थी। वजाहत खान, जिसने पनोली के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी, के विरूद्ध भी ''श्रीराम स्वाभिमान परिषद'' ने कोलकाता में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद से फरार है।

शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर मीडिया में सीधा-सीधा दो-फाड़ होकर परस्पर ही ''संग्राम'' मच गया है। शर्मिष्ठा पनोली ने जो कुछ पोस्ट में कहा, गिरफ्तारी का विरोध करने वाले भी उसे सही नहीं ठहरा रहे हैं। परंतु माफी के साथ पोस्ट डिलीट करने के बाद गिरफ्तारी को नाजायज ठहरा रहें हैं। अतः दर्ज ''एफआईआर'' को तो आप कम से कम गलत नहीं ठहरा सकते हैं। तब फिर एफआईआर के बाद पुलिस का यह प्रशासनिक व वैधानिक दायित्व है कि वह आगे कार्रवाई करें, जिसका ही परिणाम यह गिरफ्तारी है। इसके बाद प्रकरण कोर्ट के न्यायिक क्षेत्राधिकार में आ जाने के कारण आगे की कार्रवाई न्यायालय के निर्देशानुसार होती है। परंतु बड़ा प्रश्न यह है कि विवादित पोस्ट हटा कर माफी मांग लेने से क्या गठित अपराध ''स्वयंमेव'' समाप्त हो जाता है? बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष सांसद मनन मिश्रा का गिरफ्तारी को 'दुर्भाग्यपूर्ण' कहना भी अपने आप में 'दुर्भाग्यपूर्ण' कथन है। आपको याद होना चाहिए, मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी के विरूद्ध बहुत ही विवादित टिप्पणी किए जाने के बाद, तीन-तीन बार माफी मांगे जाने के बावजूद उच्चतम न्यायालय ने माफीनामा को स्वीकार न कर प्रकरण में जांच जारी रहने के आदेश दिये हैं।

पनोली को निचली अदालत ने जमानत नहीं दी, लेकिन लगभग इसी तरह के एक अन्य मामला महाराष्ट्र के पुणे में एक पोस्ट शेयर कर ''पाकिस्तान जिंदाबाद'' लिखने वाली 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा खदीजा शेख को गिरफ्तार कर उन्हे 15 दिन जेल में रखने पर उच्च न्यायालय ने शासन को फटकार लगाते हुए जमानत दी। हरियाणा में प्रतिष्ठित परिवार के ज्ञानी, प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को भी एक सोशल मीडिया पोस्ट पर हरियाणा महिला आयोग शिकायत के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार किया। जबकि उक्त पोस्ट को अधिकांशतः मीडिया से लेकर बुद्धिजीवी वर्ग ने गलत नहीं माना। यद्यपि उच्चतम न्यायालय ने अली को जमानत तो दी, तथापि दर्ज एफआईआर को गलत मानकर निरस्त करने की मांग स्वीकार नहीं की। जस्टिस सूर्यकांत शर्मा जो लगभग 6 माह बाद देश के अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं, द्वारा जमानत की शर्तों में जिस तरह के प्रतिबंध लगाए गए, उससे भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर देशव्यापी चर्चा में प्रश्न चिन्ह उठ खड़े हुए हैं। इन तीनों प्रकरणों में पुलिसिया कार्रवाई व न्यायालयीन कार्यवाही अलग-अलग है, जबकि आरोपित अपराध की धाराएं 196,299,353 तीनों प्रकरणों में व 152,196,352 दो प्रकरणों में लगी हैं। लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व्यक्त करने की सीमा कहां तक है? इसे तो सुनिश्चित करना ही होगा, यद्यपि जो संविधान में परिभाषित है। सीमोल्लंघन पर पुलिसिया व न्यायिक कार्यवाही किस सीमा तक उचित है? क्योंकि कोई भी मूल अधिकार ''एब्सोलूट'' (पूर्ण) नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक संवेदनशीलता के बीच संतुलन पर विवाद, विचार, बहस का विषय शर्मिष्ठा जिसने स्वयं कहा, ''यह लोकतंत्र नहीं है'', की गिरफ्तारी से पुनर्जीवित हो गया है। इस युवा हिंदू महिला की गिरफ्तारी को तुष्टिकरण, वोट बैंक को खुश करने और सनातन धर्म के विरुद्ध कार्यवाई से जोड़ दिया गया। पुणे की खदीजा शेख ने अपने इंस्टाग्राम पर सिर्फ एक पोस्ट को शेयर किया, लिखा नहीं था, जिसमें पैगंबर या भगवान के संबंध में कोई अपमान जनक टिप्पणी नहीं थी। तथापि ''पाकिस्तान जिंदाबाद'' का बेहूदा, गंदा, असहनशील नारा लिखा गया था, जिस पर उसके विरुद्ध धारा 152, 196, 299 एवं 352 के अंतर्गत अपराध दर्ज कर कालेज से भी निष्कासित तक कर दिया था। उच्च न्यायालय का यह कथन कि ''छात्रा को गिरफ्तार ही नहीं करना चाहिए था। यह शर्मनाक है कि सरकार ने छात्रा के साथ कट्टर अपराधी जैसा व्यवहार किया गया'', आश्चर्यचकित करता है।

शर्मिष्ठा की गलत कथन ''भारतीय नागरिक'' के वजूद को समाप्त नहीं करते हैं। परन्तु निश्चित रूप से खदीजा शेख का खतरनाक कथन किसी भी भारतीय नागरिक के मुखार्बिन्दु से नहीं उद्बोधित हो सकता है। सर्वप्रथम तो उसकी नागरिकता ही समाप्त की जानी चाहिए।'' ''पाकिस्तान जिंदाबाद'' नारा कहना, शर्मिष्ठा के मोहम्मद पैगंबर के विरुद्ध कहे गए अपशब्दों से भी ज्यादा खतरनाक इसलिए है, क्योंकि शर्मिष्ठा का कथन देश के मात्र 20 करोड़ लोगो (मुसलमानों) के खिलाफ है, जबकि खदीजा शेख का कथन समस्त 140 करोड़ भारतीयों के खिलाफ है, जिनमें उक्त 20 करोड़ मुस्लिम भी शामिल है। धर्म से बड़ा ''राष्ट्र धर्म'', ''राष्ट्र भक्ति'' और ''राष्ट्र प्रेम'' होता है। एक सामान्य भारतीय नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब कानून सबके लिए बराबर है, तो देश के विभिन्न न्यायालयों में, विभिन्न अंचलों में, कानून का एक समान पालन क्यों नहीं होता है? आम व्यक्ति आज भी कानून और अदालत पर यकीन रखता है। निचली अदालत द्वारा शर्मिष्ठा पनोली को जमानत देने से इनकार करने के आदेश के 3 दिन पूर्व ही मुंबई उच्च न्यायालय ने खदीजा शेख को जमानत देते हुए यह कहा कि ''एक युवा छात्र की सोशल मीडिया पोस्ट से राष्ट्रीय हित को कोई नुकसान नहीं होगा। यह गलतियां करने और सुधारने की उम्र है, उन्हें सुधार का मौका देना चाहिए, जेल में नहीं रखना चाहिए। शर्मिष्ठा भी एक छात्रा है, तब फिर उच्च न्यायालय का उक्त सिद्धांत निचली अदालत द्वारा लागू कर उसे जमानत क्यों नहीं दी? एक बडा प्रश्न है, जो यहां उत्पन्न होता है, का जवाब सिर्फ न्यायालय ही दे सकता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

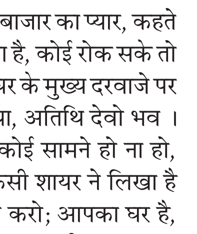

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

साधो ये मंडी शब्दों की

पता नहीं ये बाजार का डर है या बाजार का प्यार, कहते हैं कि बाजार घर में घुस आया है, कोई रोक सके तो रोक ले ।पुराने जमाने में तो घर के मुख्य दरवाजे पर वेलकम लिखने का चलन था, अतिथि देवो भव । मतलब दिल दरिया है जी, कोई सामने हो ना हो, सबका वेलकम है जी । किसी शायर ने लिखा है 'हँस के बोला करो, बुलाया करो; आपका घर है, आया जाया करो ।' अपने मतलब की बात बाजार बहुत जल्दी समझ लेता है चाहे उर्दू का शेर ही क्यों न हो ।बस मुँह ऊंचा कीजिए बाजारजी और घुसे चले आइए, गली में चाँद निकला है ।तरफदार कहते हैं कि पैसा पास हो तो बाजार से अच्छा नौकर कोई नहीं ।नाच मेरी बुलबुल तुझे पैसा मिलेगा टाइप। अब अगर चिराग का जिन्न आ जाए तो लायसेंस परमिट का फंदा डाल कर उसका गला घोंट दिया जाएगा ।मॉल छाप जिन्न अपने आगे दुकान छाप किफायती जिन्न को टिकने देगा भला । कहने को बाजार दोनों के लिए खुला है ।गलाकाट प्रतिस्पर्धा है जी ।बड़ा छोटा हर आदमी मुनाफे की टोह में है ।चार पैसे के चक्कर में रोटी खाना भी भूल जाता है ।सबर करो रे, सब बेच दोगे तो तुम्हारे पास बचेगा क्या !

दीनानाथ ढाइपोटे हमारे पुराने दुश्मननुमा मित्र हैं ।आते ही खौलते प्रेम के साथ बोले ङ्क तुम भी क्या मनहूस आदमी हो !कभी शापिंग करने निकलते नहीं हो लेकिन बाजार को लेकर आएं बाएं बकते रहते हो । पता है ! भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है ! न्यूज चैनल देखना छोड़ने का यही परिणाम है, देश की तरक्की का कुछ भी ज्ञान नहीं है तुम्हें !न्यूज देखा करो नहीं तो पिछड़ जाओगे और फिर गलत पार्टी को वोट दे मरोगे ।

'यार ढाइपोटे, तुम जिसे न्यूज चेनल कह रहे हो वो दरअसल शोरूम हैं किसी कंपनी के । खास किस्म का प्रोडक्ट बिकता रहता है वहाँ ! तुम्हें शायद पता नहीं शब्दों की बड़ी मंडी हो गई है आजकल ।'

'क्या बात करते हो !शब्द बिकते हैं क्या !लेखकों को पारिश्रमिक तक तो मिलता नहीं है।कोई फोकटिया बाजार भी है ऐसा मैंने तो देखा नहीं ।'

'बाजार दिखता है क्या ? दुकानें दिखती हैं, बाजार को देखना समझना पड़ता हैं, जैसे चरित्र को समझना होता है ।बेचने वाला घर जैसा आदमी बन जाता है, मीठी बातें करता है लेकिन ध्यान उसका बेचने पर ही होता है ।'

'चलो माना ।लेकिन शब्दों का बाजार !!'

'बाजार नहीं मंडी ।शब्दों की मंडी में डालपक मीठे मीठे शब्द, मानो कोई पुरातन दुकान हो मिठाई की । शब्द चिकने हों, गोल गोल हों, रसीले हों, तो एक मौसम का पता देते हैं ।मौसम सारे प्राकृतिक नहीं होते हैं, कुछ सरकारी भी होते हैं ।अपने बीमा वाले गुप्ता जी हैं ना !कितनी शुगर शुगर बात करते हैं अपने क्लाइंट से कि वो बेचारा पहले इंसुलिन लेता है और बाद में पालिसी भी ।काम हो जाने के बाद गुप्ता जी गुप्त हो जाते हैं और कान मे रह जाते हैं उनके चीठे मीठे शब्द ।हर चैनल में गुप्ता जी हैं और मीठा मीठा पेल रहे हैं । एक चेन है शोरूम्स की । इन्सेंटीव के मारे सेल्स मेन झूठ के फुग्गे फुगा फुगा कर दिए जा रहे हैं ।लोग लिए जा रहे हैं ।'

'देखो जितनी जल्दी हो सके भ्रम से निकलो ।देशभक्त बनों, वरना किसी काम के नहीं रहोगे ।फिर मत कहना कि ढाइपोटे ने समय रहते उचित सलाह नहीं दी ।'

ट्रैवलॉग चर्चा

ब्रजेश कानूनगो

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

युद्धोन्माद में याद रखिए, हिरोशिमा की दास्तान

हिरोशिमा में हुए विध्वंस की घटना के लगभग 80 वर्ष बाद हमने हमारे प्रिय ट्रैवलर ब्लॉगर बंसी बिश्नोई के जापान यात्रा के यूट्यूब वीडियोस के माध्यम से आज के हिरोशिमा शहर और घटनास्थल का अवलोकन किया। हमने देखा तो एक तरफ मन करुणा से भर गया तो दूसरी तरफ जापानी लोगों की जीवटता और उनके हौसलों के कायल भी हो गए। हिरोशिमा आज जापान का एक बड़ा नगर है, जिसकी आबादी लगभग 11,96,274 है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान परमाणु बम हमले से तबाह होने के बाद, हिरोशिमा ने पुनर्निर्माण और विकास की लंबी यात्रा तय की है। आज यह शहर शांति और मानवता के प्रतीक के रूप में जाना जाता है।

पिछले दिनों हुए घटनाक्रम ने लोगों का ध्यान परमाणु ऊर्जा के विनाशकारी खतरों की ओर आकर्षित किया है। यद्यपि जब भी इस ऊर्जा के साधनों के विकास की बात होती है तब सदैव शांतिपूर्ण उपयोग का आश्वासन और संकल्प की सफेद पताका फहराई जाने लगती है। इसके बावजूद विश्व में संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, भारत, पाकिस्तान, इसराइल और उत्तर कोरिया नौ ऐसे देश हैं जिनके पास परमाणु अस्त्र हैं। परमाणु शक्तियों के रूप में इनका दबदबा दुनिया में बना हुआ है। इन देशों के पास लगभग बारह हजार परमाणु हथियार उपलब्ध हैं।

जब जब विश्व में युद्ध शुरू होता है या उसकी संभावनाएं पैदा होती हैं, या तब तब प्रबुद्ध समाज की सांसे रुकने लगती हैं। कहीं कोई परमाणु शक्ति संपन्न देश जल्दबाजी में परमाणु हथियारों का उपयोग करके तबाही को आमंत्रण ना दे दे। युद्ध के विचार से ही मानव जाति और सभ्यता के विनाश की आशंका से घबराहट का वातावरण बनने लगता है।

आणविक प्रदूषण अन्य प्रदूषणों से बहुत अलग होता है। धूल, धुँआ ,कचरा आदि दिखाई देते हैं, इनके प्रभाव के लक्षण हमें महसूस होते हैं लेकिन परमाणु विकिरण निराकार है इसे महसूस नहीं किया जा सकता। यह प्रवेश करता है और युगों तक बना रहता है। मानव जींस में पहुँचकर आनुवँशिक रोगों के रूप में परिवर्तित हो कर अनेक पीढ़ियों की त्रासदी बन जाता है। लगभग अमरता का वरदान प्राप्त परमाणु कचरा मनुष्य और अपने ही निर्माता को नष्ट करने पर उतारू हो जाता है। जीवन से जुड़ी हरेक वस्तु को विकिरण प्रभावित करके मुश्किलें पैदा कर देता है। कचरे का प्रबंधन इतना कठिन होता है कि स्टील के कनटेनरों में बंद कर सीमेंटीकरण करके जमीन में गाड़ देने के बावजूद विकिरण होना जारी रहता है।

परमाणु बमों के व्यापक दुष्प्रभाव और विध्वंस के परिणाम अत्यधिक विनाशकारी और दीर्घकालिक होते हैं। हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बमबारी इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। विश्वयुद्ध के दौरान 6 अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा और 9 अगस्त 1945 को नागासाकी पर परमाणु बम गिराए गए थे। इन हमलों में हजारों लोग मारे गए थे और शहरों का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गए थे। बचे हुए लोगों में विकिरण बीमारी, कैंसर और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं देखी गईं। विकिरण के कारण पर्यावरण और जीव-जन्तुओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा। परमाणु बमों के उपयोग ने वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया तो परमाणु निरस्त्रीकरण की आवश्यकता पर भी समय समय पर बात होती रही।

यद्यपि हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बमों के गिराए जाने के बाद युद्ध के दौरान इतना बड़ा परमाणु हमला तो नहीं हुआ किंतु कुछ दुर्घटनाएं अनेक कारणों से विश्व में अवश्य होती रहीं जिन्होंने परमाणु ऊर्जा के विवेकशील और सावधानीपूर्ण उपयोग को प्राथमिकता में लाने को बाध्य किया। एक बड़ी दुर्घटना चेर्नोबिल परमाणु दुर्घटना सोवियत संघ के युक्रेनी सोवियत समाजवादी संघ के उत्तरी नगर प्रीप्यत के पास 26 अप्रैल 1986 को चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र के चौथे रिएक्टर में हुई थी। दूसरी है जापान की फूकूशीमा डाईची परमाणु दुर्घटना।

फुकुशिमा के ओकुमा में फुकुशिमा दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हुई परमाणु दुर्घटना भी एक बड़ी दुर्घटना थी, जो 11 मार्च 2011 को शुरू हुई थी। दुर्घटना का कारण 2011 का तोहोकू भूकंप और सुनामी था, जिसके परिणामस्वरूप विद्युत ग्रिड फेल हो गया और बिजली संयंत्र के लगभग सभी बैकअप ऊर्जा स्रोत क्षतिग्रस्त हो गए । शटडाउन के बाद रिएक्टरों को पर्याप्त रूप से ठंडा करने में असमर्थता ने नियंत्रण को प्रभावित किया और इसके परिणामस्वरूप आसपास के वातावरण में रेडियोधर्मी संदूषक फैल गए थे। चाहे परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में हुई दुर्घटनाएं हों या परमाणु बमों का युद्ध में प्रयोग इनके दुष्प्रभाव और विध्वंस के परिणाम अत्यधिक विनाशकारी होते हैं। हिरोशिमा और नागासाकी की घटनाएं हमें परमाणु हथियारों के उपयोग के खतरों की याद दिलाती हैं और शांति और निरस्त्रीकरण की दिशा में काम करने की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

हिरोशिमा में हुए विध्वंस की घटना के लगभग 80 वर्ष बाद हमने हमारे प्रिय ट्रैवलर ब्लॉगर बंसी बिश्नोई के जापान यात्रा के यूट्यूब वीडियोस के माध्यम से आज के हिरोशिमा शहर और घटनास्थल का अवलोकन किया। हमने देखा तो एक तरफ मन करुणा से भर गया तो दूसरी तरफ जापानी लोगों की जीवटता और उनके हौसलों के कायल भी हो गए। हिरोशिमा आज जापान का एक बड़ा नगर है, जिसकी आबादी लगभग 11,96,274 है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान परमाणु बम हमले से तबाह होने के बाद, हिरोशिमा ने पुनर्निर्माण और विकास की लंबी यात्रा तय की है। आज यह शहर शांति और मानवता के प्रतीक के रूप में जाना जाता है।

ट्रैवलर बंसी बिश्नोई वर्तमान हिरोशिमा शहर का आभासी टूर हमें बड़ी जीवंतता से देते हैं। खास स्थलों की सैर कराते हुए भावुकता के साथ कुछ जानकारियां भी देते हैं। हिरोशिमा पीस मेमोरियल पार्क शहर के केंद्र में स्थित है, जो परमाणु बम हमले के पीड़ितों की याद में बनाया गया है। पार्क में कई स्मारक और मूर्तियां हैं, एक सारस की मूर्ति है,जो शांति और आशा का प्रतीक है। शहर में कई संग्रहालय और स्मारक हैं जो परमाणु बम हमले के इतिहास और इसके प्रभावों को प्रदर्शित करते हैं।

खासतौर से एक संग्रहालय हिरोशिमा पीस मेमोरियल पार्क में स्थित है और परमाणु बम हमले के इतिहास और इसके प्रभावों को प्रदर्शित करता है। संग्रहालय में कई प्रदर्शन हैं, यहां एक क्षत विक्षत गेनबाकु डोम दिखाई देता है, जो परमाणु बम हमले के बाद भी खड़ा रहा था। मलबे से निकले लोगों के कपड़े, जूते, उपकरण,उनके अवशेष देखकर मन रो पड़ता है। दो बच्चे साइकिल चलाते हुए शिकार हो गए थे, अब जंग लगी साइकिल के पास उनके बुत रखे हैं। किसी बच्चे का टिफिन खुला पड़ा है जिसमें रखा भोजन अब फफूंद बन गया है, कहीं स्कूल बैग के साथ कोई किताब है तो कहीं एक बंद पड़ी हाथ घड़ी विध्वंस का ठीक ठीक समय इतिहास में दर्ज कर चुकी है। ट्रैवलर का बोलते बोलते गला भर आता है, वह बाहर निकल कर अपनी आँखें पोंछता हुआ संग्रहालय से निकलकर बाहर आ जाता है। बाहर अनेक पर्यटक उदास हैं, आँखें मलते दिखाई देते हैं। हमारे स्मार्ट टीवी का स्क्रीन धुंधलाने लगता है। हमारी आंखों में आंसू की बूंदे हैं, गला रूंध गया है।

संग्रहालय का उद्देश्य लोगों को परमाणु बम हमले के भयानक परिणामों के बारे में जागरूक करना और शांति और मानवता के महत्व को बढ़ावा देना है। क्या हम इस महत्व को पूरी तरह समझ पाए हैं? यह सवाल हमारे सामने अब भी खड़ा है, जब दुनिया में कई युद्ध चल रहे हैं, कुछ स्थगित दिखाई देते हैं, कहीं कहीं शब्द युद्ध जारी हैं, उम्मीद करें ये अस्त्र शस्त्र धारित युद्धों में नहीं बदल सकेंगे। सचमुच जापान के हिरोशिमा शहर के पुनरुद्धार की कहानी एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि कैसे एक शहर विनाश के बाद पुनर्निर्माण और विकास का लक्ष्य हासिल कर सकता है और शांति और मानवता के प्रतीक के रूप में उभर सकता है।

एकता शर्मा

(वरिष्ठ एडवोकेट और कानूनविद)

पेचीदगी भरी है राजा रघुवंशी की हत्या की गुत्थी

हनीमून पर पति राजा रघुवंशी की हत्या करवाने वाली पत्नी सोनम रघुवंशी को आरोपी ठहराने वाली गुत्थी सुलझना आसान नहीं है। चार राज्यों की पुलिस को कई सवालों के जवाब ढूंढना होंगे! क्राइम सीन से जुड़े कई सवाल और तथ्य बिखरे हुए है, जिन्हें समेटना आसान नहीं होगा! सबसे बड़ी उलझन तो यह है कि राजा की लाश मिलने के बाद सोनम आठ दिन तक कहां रही और शिलांग से उत्तर प्रदेश के गाज़ीपुर कैसे पहुंची!

यह कहानी विश्वसनीय नहीं है, पर है बिल्कुल सच। इतनी सच कि कोई फिल्म लेखक भी इस तरह का कथानक नहीं रच सकता। कोई लड़की अपनी शादी से पहले ही अपने पति की हत्या की साजिश रच ले और हनीमून पर पति की हत्या करवा दे, सामान्यत: समाज में ऐसा होता नहीं है। लेकिन, ऐसा हुआ है। साजिश का एक हिस्सा तो पूरा हो गया था, पर इसका क्लाइमैक्स बदल गया। प्रेमी और प्रेमिका साजिश के मुताबिक मिल पाते, उससे पहले ही मामला उलझ गया और पुलिस से साजिश का पर्दाफाश करके हत्या के आरोपियों को धरदबोचा।

पर, अभी यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि राजा हत्याकांड की गुत्थी सुलझ गई! ऐसे कई अनुत्तरित सवाल हैं, जिनके जवाब मिजोरम और मेघालय पुलिस को खोजना होंगे। कानूनी रूप से अभी मामला सुलझने में वक्त लगेगा! क्योंकि, इस मामले से चार राज्यों की पुलिस जुड़ी है। इस घटना में मिजोरम इसलिए जुड़ा कि जिस थाने में राजा की हत्या की एफआईआर दर्ज हुई, वो मिजोरम राज्य की सीमा में आता है।

अपने पति राजा रघुवंशी को हनीमून के बहाने मेघालय के शिलांग ले जाकर प्रेमी और उसके साथियों से उसकी हत्या करवा देना आसान बात नहीं है। लेकिन, यह हुआ है। पूरे 17 दिन तक इस मामले को लेकर पूरे देश में सनसनी मची रही कि आखिर राजा रघुवंशी की हत्या के बाद उसकी पत्नी सोनम कहां चली गई! अपहरण कर उसे बांग्लादेश ले जाने की भी बात कही गई। कई पेशेवर गिरोहों के सक्रिय होने की भी चर्चा चली। मेघालय पुलिस और प्रशासन पर कई आरोप लगे। यहां तक कि इस पूरे घटनाक्रम की सीबीआई जांच को लेकर भी कार्रवाई शुरू हो गई थी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तो अपनी तरफ से सिफारिश भी की थी। लेकिन, मेघालय सरकार ने सीबीआई जांच की बात को टाल दिया। इसलिए कि वहां की पुलिस राजा की हत्या की जिस एंगल से जांच कर रही थी, वह खुलासे के बहुत नजदीक थी और यह सच भी निकला।

अभी इस मामले में कई कानूनी पेंच बाकी है, जिनका खुलासा मेघालय पुलिस की जांच में होगा। इस मामले में चार राज्यों (मेघालय, मिजोरम, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश) की जुड़ी हुई है, इसलिए यह मामला थोड़ा उलझाओ वाला तो है। साजिश इंदौर में रची गई और हत्या के आरोपी इंदौर के, हनीमून मनाने शिलांग गए, हत्या मिजोरम सीमा में हुई और साजिशकर्ता पत्नी सोनम को उत्तर प्रदेश के गाज़ीपुर से पकड़ा गया। इसलिए जांच का दायरा बहुत बड़ा है।

आखिर 17 दिन बाद सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में गोरखपुर रोड के एक ढाबे पर कैसे पहुंची! इसमें भी सवाल खड़ा होता है, कि सोनम वहां रात को एक बजे कैसे आई! यह मामला थोड़ा पैचीदगी भरा है, कि वह आखिर 1100 किमी दूर गाजीपुर कैसे आई और इतनी रात ढाबे पर क्यों पहुंची! क्या उसके साथ कोई और भी था! यदि यह पूरी योजना किसी साजिश का हिस्सा थी, तो उसने ढाबे पर जाने की गलती क्यों की! यह सच है कि साजिश के अनुसार, छुपना सिर्फ सोनम को था, तो वह सामने क्यों आई और जिस हालत में वह सामने आई वह भी जांच का अहम हिस्सा होगा। अभी इस मामले में कई सवाल है, जिसका जवाब मेघालय/मिजोरम पुलिस के लिए खोजना आसान नहीं होगा।

राजा और सोनम का विवाह प्रेम विवाह नहीं था। यह शादी परिवार की मर्जी से हुई थी। लेकिन, क्या एक ही शहर में होते हुए राजा रघुवंशी को इस बात का पता नहीं चला कि सोनम किसी से प्रेम करती है और वह शादी के बाद भी राज कुशवाह के संपर्क में थी। क्योंकि, अब जो जानकारियां सामने आई, वह इस तरफ इशारा कर रही है कि सोनम इस शादी से खुश नहीं थी। राजा की मां ने तो यहां तक कहा कि वह चार दिन हमारे घर रही, लेकिन अपने कमरे से बहुत कम बाहर निकली। इसका सीधा सा मतलब है कि उसने राजा के घर को अपना घर नहीं माना था। उसके दिमाग में कोई साजिश पनप रही थी, जिसे उसे पूरा करना था।

बात तो यह भी सामने आई कि कामाख्या देवी से राजा और सोनम को वापस इंदौर लौटना था। लेकिन, अचानक सोनम ने शिलांग जाने की प्लानिंग कर ली। यह पूरा घटनाक्रम बताता है कि यह कोई सामान्य लड़की के दिमाग की साजिश नहीं हो सकती। अभी इस सवाल का जवाब भी ढूंढा जाना है, कि इस प्लानिंग के पीछे की किस-किस का हाथ था? क्या सोनम और राज कुशवाहा ने ही यह साजिश रची या किसी किराए का कोई हत्यारा, इसमें शामिल है।

मेघालय पुलिस का कहना है कि यह लोग अलग-अलग होकर नेपाल भागने की तैयारी में थे। लेकिन, नेपाल तक पहुंच नहीं पाए। सोनम को रास्ते में पकड़ लिया गया। इनके दो साथियों को इंदौर में और एक को उत्तर प्रदेश के ललितपुर में पकड़ा गया। सारे तथ्यों को देखकर अभी कहा नहीं जा सकता कि इस मामले में सोनम की भूमिका क्या है? यदि उसे नेपाल भागना था तो बिहार से जाना आसान था, फिर वह उल्टा क्यों आई? वो इतने दिन क्या अकेले भागती रही या उसके साथ कोई था? उसके प्रेमी को भी नेपाल पहुंचना था, तो वो इंदौर में ही क्यों पकड़ाया? अब वक्त बताएगा कि इस साजिश के तार कहां तक किससे जुड़े है!

शिक्षा

अरविन्द रावल

छात्रों की आत्महत्या के लिए - माता-पिता भी जिम्मेदार

देश की सर्वोच्च अदालत ने लम्बे समय से शिक्षा का हब बने हुए कोटा में बढती छात्रों की आत्महत्या को लेकर जिस प्रकार से अभी हाल में राजस्थान सरकार को फटकार लगाई हे उसी तरह की फटकार यदि शिक्षा व्यवस्था की नीति बनाने वाले जिम्मेदारो को भी लगाई जाती तो शायद यह और अधिक बेहतर होता ! खेर देश की सुप्रीम कोर्ट की संज्ञान में कोटा में छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामले भले ही देर से आये हो लेकिन अब उम्मीद हे कि सर्वोच्च न्यायालय छात्रों की आत्महत्या के पीछे कट आफ और परसेंटाइल जेसे छात्रों को अन्दर से भयभीत कर तनाव में रखने वाली वर्तमान शिक्षा नीति की खामियों की भी जाच करवा कर छात्रों को तनाव से मुक्त करेगी ! राजस्थान का कोटा शहर देश में आज शिक्षा का सबसे बड़ा सेंटर हे और आज देश विदेश में बड़ी बड़ी मल्टी नेशनल कम्पनियों और बड़े बड़े हास्पिटलो में जो इंजीनियर और डाक्टर्स हे उनमे से अधिकतर कोटा की ही कोचिंग सेंटरों से निकले हुए पाए जायेगे ! आज के दोर में सतर फीसदी से ज्यादा माता पिता अपने बच्चो की पाचवी कक्षा पास करते ही यह सपना देखने लग जाते हे कि उसका बेटा या बेटी एक बड़ा डाक्टर या इंजीनियर बनेगा और वह अपने बच्चो की आखो में ही यही सपना बसाने लग जाते हे और हाईस्कूल के बाद अधिकतर माता पिता अपने बच्चे को कोटा या देश के अन्य बड़े शहरों की कोचिंग क्लासों में आखो में बसाये अपने सपने को साकार करने हेतू जोत देते हैं ! हर माता पिता का देश की टाप फेकल्टी वाली नामी कोचिंग संस्थान में अपने बच्चे को पढाना एक सपना होता हे इसलिए आज के दोर में कोटा से बेस्ट कोई और जगह न माता पिता को न बच्चो को जचती नही हे या यह कहे कि कोचिंग की अंधी दोड़ में आज माता पिता अपने बच्चे को बचपन से दोडाये रहे हे तो गलत नही होगा !

देश के महानगरों में बड़ी बड़ी कोचिंग संस्थाए हे लेकिन कोटा जेसी वह बात नही हे ! कोचिंग की दुनिया में कोटा देश में इसलिए सर्वोच्च पायदान पर हे और हब बना हुआ हे कि वहा कोचिंग संस्थानों में पढाई को लेकर जो कसावट हे वह छात्रों को निचोड़ डालती हे और छात्र की कोचिंग के सारे समय की गतिविधि से उसके माता पिता उपडेट रहते हे ! देश में आज सर्वाधिक बच्चे कोटा की कोचिंग संस्थानों में ही पढ़ते हे ! कोटा की आमदनी का सबसे बड़ा जरिया ही कोचिंग संस्थानों के छात्र हे लेकिन पिछले कुछ सालो से कोटा में छात्रों की आत्महत्या के बढते मामले ने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया हे कि कोटा में ही इतनी अधिक तादाद में छात्र आत्महत्या क्यों करते हे ? राजस्थान सरकार और कोटा जिला प्रशासन द्वारा सभी कोचिंग संस्थानों में जाकर छात्रों से फीडबेक लेकर उनके रहने खाने और पढाई पर होने वाली समस्या पर अक्सर चर्चा की जाती हे उसके बावजूद भी छात्रों की आत्महत्याएं कम नही होना न केवल कोटा बल्कि समूची राजस्थान सरकार के लिए गम्भीर चिंतन का विषय भी हे ! कोटा में बढती छात्रों की आत्महत्या के मामले से जितनी शिक्षा की नीतिया जिम्मेदार हे उतना ही छात्रों के माता पिता की अपेक्षायें भी जिम्मेदार हे तो कहना गलत नही होगा इसे सभी को स्वीकार करना ही होगा ?

नीट जेईई की क्या कोचिंग में अपने बच्चे को एडमिशन दिला दिया माता पिता सहित सारे घर के उसे डाक्टर इंजीनियर समझ लेते हे और हर वक्त उससे प्रतिस्पर्धा की अंधी दोड़ में अव्वल ही रहने की अपेक्षाए पाले बैठते हे ! एक दिन क्लास मिस हो जाने पा या किसी वहज से एक दिन कोचिंग नही जाने पर सपने सजाये अपेक्षा पाले छात्र के माता पिता छात्र से इतने सवाल जवाब कर उसे पेसो का ताना मार देते हैं तो सोचिये चिंतन कीजिये प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में यदि छात्र के अव्वल न रहने पर माता पिता का क्या रुझान रहेगा यही सोचकर बहुत से छात्र हमेशा अवसादों में घिरे रहते हे और अपना दर्द किसी को बया किये मन ही मन कुंठित होकर फासी के फंदे पर झूलने को मजबूर हो जाते हे ! कोटा में छात्रों की बढती आत्महत्याओ के पीछे कोचिंग क्लासेस का दबाव से कही ज्यादा दबाब माता पिता का होता हे तो यह कहना गलत नही होगा ! निश्चिन्त ही हर माता पिता को यह समझना होगा और बच्चो पर अपेक्षाए थोपने की बजाय उसकी क्षमताओ और रुचियों के अनुसार उनके बेहतर भविष्य को सवारने पर ध्यान देना होगा तभी आत्महत्याओ के मामले में कमी आएगी अन्यथा शिक्षा व्यवस्था की नीतियों और मातापिता की अपेक्षाओं के दबाव में दम तोडती प्रतिभाये आत्महत्या को मजबूर होती रहेगी और हम सिर्फ हमेशा की तरह अफ़सोस भर करते रह जायेंगे ?

डॉ. मनोज हुरमाडे ने सीएमएचओ का पदभार संभाला

न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने किया स्वागत

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर डॉ. मनोज हुरमाडे ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वर्तमान में वे जिला परिवार कल्याण अधिकारी भोपाल में पदस्थ थे। डॉ मनोज हुरमाडे आठनेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक मेडिकल आफिसर के पद पर

उत्कृष्ट सेवा दे चुके हैं। बैतूल जिले के ग्राम गौला के निवासी डॉ मनोज हुरमाडे शुरू से ही मानव कल्याण के लिए कार्य कर चुके हैं। डॉ. हुरमाडे के कार्यभार ग्रहण अवसर पर न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। संघ की ओर से उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर अभिनंदन किया और स्वास्थ्य विभाग में उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के सदस्यों ने डॉ. हुरमाडे को सहयोग का आश्वासन भी दिया।

नौतपा के बाद तेज हुए गर्मी के तेवर, पारा 38.5 डिग्री

बैतूल। नौतपा के बाद गर्मी के तेवर तीखे हो गये है। हालात यह है कि नौतपा में जहां जिले का तापमान 33-34 डिग्री के आसपास था, वहीं नौतपा के बाद

तापमान बढ़कर 38.5 डिग्री पर पहुंच गया है। बता दे कि नौतपा के शुरुआती दिन 25 मई को तापमान 31 डिग्री से हुई थी। यह 25 से 31 मई के बीच 34.8 डिग्री तक पहुंचा था, लेकिन 1 जून से तापमान बढ़कर अब 38.5 डिग्री तक पहुंच गया है। जिसके कारण शहर की सडकों पर दोपहर के समय लोगों की उपस्थित कम हो गई है। हालात यह है कि सुबह 10 बजे के बाद से ही तेज धूप और लू का प्रकोप शुरू हो जाता है। दोपहर में सडकें सूनी दिखाई देती हैं। लोग जरूरी काम भी टाल रहे हैं। गर्मी के कारण दुकानदारों और छोटे व्यापारियों की बिक्री प्रभावित हुई है। इधर डॉक्टरों ने सलाह दी है कि सिर और चेहरा ढककर बाहर निकलें। फ्रिज का पानी कम पिएं।

जनजातीय संग्रहालय में बैतूल के कलाकारों ने गडली सुसुन नृत्य की दी शानदार प्रस्तुति

लोक कलाकार महादेव बारस्कर हुए सम्मानित

बैतूल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय भोपाल की स्थापना के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 6 से 10

जून तक आयोजित किए जा रहे महुआ महोत्सव में 7 जून को बैतूल जिले से आए कोरों सुसुन सांस्कृतिक दल ने कोरकू समुदाय का पारंपरिक गडली सुसुन नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस सांस्कृतिक प्रस्तुति का नेतृत्व कोरों सुसुन टीम के अध्यक्ष महादेव बारस्कर ने किया, जिनके साथ बैतूल जिले के कई अन्य जनजातीय कलाकारों ने भी सहभागिता निभाई। कोरकू जनजाति की संस्कृति को मंच पर जीवंत करते हुए इस नृत्य में पारंपरिक वाद्य, गीत, वेशभूषा और सामूहिक नृत्य की अद्भुत झलक देखने को मिली।

इस अवसर पर जनजातीय संग्रहालय भोपाल के निदेशक डॉ धर्मेंद्र पारे ने महादेव बारस्कर को कोरकू गडली सुसुन नृत्य के संरक्षण, संवर्धन और कोरकू संस्कृति को निरंतर जनमानस तक पहुंचाने के उनके प्रयासों के लिए पुष्पगुच्छ और प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। महुआ महोत्सव में मध्यप्रदेश के साथ-साथ राजस्थान, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र के भी जनजातीय नृत्य प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इस अवसर पर गोण्ड, भील, बैगा और कोरकू जनजातियों के व्यंजन, शिल्प मेला, कठपुतली का खेल और लोककला प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है, जिसने उत्सव को बहुरंगी सांस्कृतिक छटा में रंग दिया। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत महादेव बारस्कर ने भोपाल जनजातीय संग्रहालय के निदेशक डॉ धर्मेंद्र पारे का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें अपना मार्गदर्शक और गुरु बताया। उन्होंने कहा कि जनजातीय कलाओं को इस प्रकार मंच मिलने से संस्कृति के संरक्षण को भी मजबूती मिलती है।

भोपाल-इंदौर फोरलेन के साथ परतवाड़ा मार्ग को जोड़ता है पुल

करबला पुल पर बारिश में थमेंगे वाहनों के पहिए

संजय द्विवेदी, बैतूल।

शहर को भोपाल, इंदौर फोरलेन के साथ परतवाड़ा मार्ग को जोड़ने वाले करबला घाट के नीचे पुल से इस बारिश भी वाहन चालकों को निकलना होगा। दरअसल यहां जुलाई 2024 में माचना नदी के कर्बला घाट पर पुल बनाने 6 करोड़ 72 लाख रुपए स्वीकृत हुए थे, लेकिन उच्च स्तरीय पुल बनाने के लिए पुल की चौड़ाई बढ़ाने सर्वे किया गया। ब्रिज कार्पोरेशन विभाग ने पुल की चौड़ाई 12 मीटर से बढ़ाकर 18 मीटर की, जिससे लागत 18 करोड़ हो गई। इसकी मंजूरी मिलने से देरी के कारण अब ब्रिज कारपोरेशन विभाग द्वारा पुल निर्माण के टेंडर किए जा रहे हैं। टेंडर अभी ओपन नहीं हुए हैं। इस कारण इस बारिश में भी काम शुरू नहीं होगा। पुल का निर्माण नहीं होने से वाहन चालकों को इस बार भी पुराने पुल से ही गुजरना पड़ेगा, जिससे बारिश में बाढ़ का खतरा बना रहेगा।

पुल पर पानी आने से रुक जाता है रास्ता कर्बला

घाट की पुलिया संकरी और कम ऊंची होने के कारण बारिश में अक्सर बाढ़ आने से आवागमन रुक जाता है। पुलिया संकरी और कम ऊंची होने के कारण बाढ़ में वाहनों सहित चालकों के बह जाने और नदी में गिरने की भी संभावना बनी रहती है। इस पुल से ही नागपुर, हरदा, इन्दौर, परतवाड़ा सहित स्थानीय रास्तों पर आवागमन किया जाता है।

इसीलिए यह पुल बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि इस पुल पर बाढ़ के हालात बनने पर कई वाहन आठनेर रोड से हाइवे पर चढ़कर सीधे इंदौर फोरलेन पर पहुंच जाते है। लेकिन यह रास्ता काफी लंबा और बडोरा पुल पर ट्रॉफिक बना रहता है।

पुल पर हो चुके चार हादसे, एक की गई थी जान ....

कर्बला घाट के पुल पर अभी तक चार हादसे हो चुके हैं। इनमें बाइक सवार की जान चली गई थी। 22 जुलाई 2014 को इस पुल से एक युवक बाइक सहित बह गया था। वहीं 2016 को एक वाहन पुल के नीचे गिर गया था। इसके अलावा एक युवक भी संकरे पुल से नीचे गिर गया था। वहीं 22 मई 2024 को एक बोलेरो बिना रेलिंग के पुल से नीचे गिर गई थी। इसके बाद भी कई लोग बाढ़ आने पर पुल पार करने का प्रयास करते है और अपनी जान गवां देते है। हालांकि प्रशासन द्वारा पुल पर सुरक्षा के इंतजाम किये जाते है, फिर भी लोग अपनी जान जोखिम में डालकर पुल पार करते है।

100 मीटर लंबा बनेगा कर्बला का नया पुल

माचना घाट पर स्वीकृत उच्च स्तरीय ब्रिज की लंबाई 100 मीटर रहेगी। अभी जहां पर पुराना पुल है, उसके बाजू से ही नया पुल का निर्माण किया जाएगा। टेंडर होने के बाद ही नया पुल का निर्माण शुरू होगा। हालांकि नया पुल बनने में समय लगेगा। संभावना है कि बारिश के बाद ही निर्माण कार्य शुरू होगा। यानि इस बारिश में भी लोगों को पुराने पुल से ही आवागमन करना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार नया पुल 100 मीटर लंबा रहेगा और इसे 18 मीटर चौड़ा बनाया जायेगा। जिससे वाहनों को आवागमन करने में सहूलियत मिलेगी।

इनका कहना है -

कर्बला में पुल निर्माण के लिए अभी टेंडर प्रक्रिया चल रही है। इसमें समय लगता है। जैसे ही टेंडर होगे, इसके बाद पुल निर्माण कार्य शुरू कर दिया जायेगा। पुराने पुल के साइड से ही नया पुल बनाया जाना है।

गिरीश इवने, एसडीओ, ब्रिज कारपोरेशन, बैतूल

करंट लगाकर जंगली सुअर की हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार

खेत में करंट से जंगली सुअर और एक व्यक्ति की हुई थी मौत

बैतूल/मुलताई। अपने खेत में करंट लगाकर जंगली सुअर की हत्या करने के आरोप में वन विभाग की टीम ने मुलताई वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खडकी पांडरी निवासी विद्यानंद वाघमारे को गिरफ्तार कर स्वास्थ्य परीक्षण करा कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। वन परिक्षेत्र अधिकारी नितिन पवार ने बताया कि घटना दिसंबर 2024 ग्राम खडकी पांडरी की है, जिसमें किसान वाघमारे ने अपने खेत की बाउंड्री में क्लच तार में बिजली का करंट दौड़ा दिया था। जिससे एक जंगली सुअर की मौत हो गई थी और इसी घटनाक्रम में एक व्यक्ति की भी करंट लगने से मौत हुई थी। व्यक्ति की मौत के मामले में जांच पुलिस ने की थी और आरोपी पर अपराधिक मामला दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया था। व्यक्ति की मौत के मामले में आरोपी जमानत पर रिहा है। इधर मुलताई वन विभाग की टीम ने जंगली सुअर की मौत की जांच प्रारंभ की वन विभाग की टीम को घटनास्थल से जंगली सूअर का कंकाल एवं बाल बरामद हुए थे। जिसे वन विभाग ने परीक्षण हेतु वन प्राणी विशेषज्ञ कार्यशाला जबलपुर भेजा था।

जबलपुर भेजा गया था कंकाल - जबलपुर प्रयोगशाला से मुलताई वन विभाग को 8 जून को रिपोर्ट प्राप्त हुई, जिसमें किसान के खेत से बरामद कंकाल एवं बाल जंगली सूअर के होने की पुष्टि हुई। जांच रिपोर्ट के आधार पर मुलताई वन विभाग ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित वन्य प्राणी जंगली सूअर के हत्या के मामले में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 और 51 के तहत मामला दर्ज किया। यह धारा नॉन बेलेबल है और आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के सुपुर्द किया गया। जंगली सुअर की मौत के मामले में वन परिक्षेत्र अधिकारी नितिन पवार के नेतृत्व में वन विभाग की टीम का गठन किया गया था, जिसमें परिक्षेत्र सहायक पट्टन अनिल पाटिल, बिटगार्ड योगेश चौहान, संतोष उइके, आजम खान की भूमिका सराहनीय रही।

मुलताई पट्टन क्षेत्र में बढ़ रहा है जंगली सूअरों का आतंक ...मुलताई पट्टन, बिरूल क्षेत्र में जंगली सुरों का आतंक निरंतर बढ़ता जा रहा है और जंगली सुअर किसानों की फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचती है। मूलताई क्षेत्र में इन जंगली सुअरों के आतंक का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि किसानों ने खेतों में मक्का लगाना कम कर दिया है। विशेष तौर से बिरूल क्षेत्र में और सालबर्डी से लगे क्षेत्रों में यह स्थिति और भी भयानक हो जाती है। किसान जब अपने फसलों को बच्चों की तरह पालता है, तो फसल नुकसान से बचने के लिए किसी भी हद तक उतर जाता है और इस प्रयास में वह अपराधी बनकर रह जाता है।

इन खतरनाक तरीकों में अपने खेतों की बाउंड्री में करंट छोड़ना भी शामिल है। जिसके चलते यहां इस क्षेत्र में आए दिन गंभीर हादसे होते हैं। वन परिक्षेत्र अधिकारी नितिन पवार बताते हैं कि किसान अपनी फसल को नुकसान से बचने के लिए जायज तरीके अपना सकते हैं। जिसमें झटका मशीन जैसे अनेक उपाय किए जा सकते हैं और इसके बावजूद भी अगर किसानों की फसल को नुकसान होती है, तो मुआवजे के प्रकरण बनाए जाते हैं। अपने फसल को बचाने के लिए किसान अपराधी ना बने और सही तरीकों का उपयोग करें।

बैतूल के एंट्रेंस बडोरा-करबला ब्रिज तक बनेगी टू-लेन सड़क

27.75 करोड़ लागत से बनेगी 2850 मीटर सी.सी.रोड, 24 मीटर चौड़ी रहेगी रोड

बैतूल। विधानसभा क्षेत्र बैतूल के ग्रामीण और शहरी इलाकों में सुगम आवागमन के लिए क्षेत्रीय विधायक हेमंत खण्डेलवाल द्वारा विशेष प्रयास कर शासन स्तर से सड़कों सहित पुल पुलियाओं की स्वीकृति करवाई जा रही है। जिला मुख्यालय बैतूल मे सुगम आवागमन के लिए थाना चौक से लल्ली चौक, नेहरू पार्क तक लगभग तीन करोड़ रुपए से दो किमी व्हाइट टापिंग सीसी रोड की सौगात देनें के बाद बैतूल विधायक द्वारा बैतूल गंज सेंट्रल स्कूल से रेलवे स्टेशन, अंडरब्रिज, नागपुर नाका, करबला ब्रिज तक 27.75 करोड़ रुपए लागत की 2850 मीटर सीसी रोड स्वीकृत कराई है। उक्त रोड निर्माण के बाद बैतूल शहर की आठनेर बड़ोरा और कर्बला ब्रिज-तितली चौराहा से फोरलेन के लिए सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी। साथ ही बैतूल शहर में आवागमन सुलभ होने से बार-बार लगनें वाले ट्रेफिक जाम से भी मुक्ति मिल जाएगी।

डिवाइडर-इलेक्ट्रिफिकेशन युक्त बनेगी टू लेन सड़क

बैतूल नगर में सुलभ आवागमन के लिए बैतूल विधायक के विशेष प्रयासों से शहरी सुधार कार्यक्रम योजना अंतर्गत लगभग पौने 29 करोड़ की लागत से 2850 मीटर टू लेन सीसी रोड स्वीकृत हुई है। सेंट्रल स्कूल गंज बैतूल से रेलवे स्टेशन, अंडर ब्रिज, नागपुर नाका, करबला ब्रिज तक टू लेन सीसी रोड निर्माण के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मध्यप्रदेश द्वारा तकनीकी स्वीकृति जारी की जा चुकी है। वित्तीय सैद्धांतिक स्वीकृति की कार्यवाही प्रचलन में है। उल्लेखनीय है कि 2850 मीटर लम्बी उक्त सडक् 24 मीटर चौड़ी रहेगी। साथ ही डिवाइडर युक्त टू लेन सडक् मे सेन्ट्रल पोल लगाकर विघुतीकरण किया जाएगा। सडक् के दोनों ओर पक्की नाली, फुटपाथ एवं यूटिलिटी डक्ट का निर्माण भी होगा।

बार-बार लगने वाले जाम से मिलेगी मुक्ति

जिला मुख्यालय के प्रमुख व्यवसायिक केन्द्रों कोठी बाजार और गंज में उच्च गुणवत्ता की सडको का निर्माण होनें से आवागमन सुलभ होगा और बार बार लगने वाले ट्रेफिक जाम से मुक्ति मिलेगी। बैतूल शहर की व्यस्तम सडक़ो में से एक स्टेशन मार्ग गंज मे अक्सर जाम लगने और आवागमन अवरूद्ध होने से लंबे समय से उक्त मार्ग के निर्माण की मॉग की जा रही थी। बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल ने सुलभ आवागमन के लिए उक्त सडक् स्वीकृत करवाई है।

सेन्ट्रल स्कूल गंज से रेल्वे स्टेशन, अंडर ब्रिज, नागपुर नाका, करबला ब्रिज तक 24 मीटर चौड़ी टू लेन सीसी रोड का निर्माण होनें के बाद यातायात सुगम हो जाएगा। उक्त सडक् निर्माण के बाद बड़ोरा, आठनेर एवं 18 करोड़ की लागत से स्वीकृत करबला ब्रिज व तितली चौराहे से फोरलेन की बैतूल शहर की कनेक्टिविटी भी सुगम हो जाएगी।

केंद्रीय मंत्री एवं विधायक ने 3 करोड़ 7 लाख की लागत से बनने वाली सीसी रोड का किया भूमिपूजन

नेहरू पार्क, लल्ली चौक से थाना चौक तक 2 किमी लंबी सीसी रोड का होगा निर्माण

बैतूल। नेहरू पार्क, लल्ली चौक से थाना चौक तक लगभग 3 करोड़ 7 लाख रुपए लागत की 2 किमी लंबी व्हाइट टॉपिंग रोड का भूमिपूजन मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय राज्यमंत्री श्री उइके ने कहा कि 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाने हेतु प्रधानमंत्रीजी द्वारा लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा हर वर्ग की खुशहाली के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिले के गांव से लेकर शहरों में जो विकास नजर आ रहा है वह मध्यप्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के विशेष प्रयासों से समूचे विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य हो रहे हैं। बैतूल विधायक के प्रयासों से ही थाना चौक से लल्ली चौक, नेहरू पार्क तक लगभग 3 करोड़ 7

लाख रुपए की लागत की 2 किमी व्हाइट टॉपिंग सड़क निर्माण का कार्य स्वीकृत हुआ है।

गांधी चौक का किया जाएगा सौंदर्यीकरण- कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग की जा रही थी। बारिश के दिनों में सड़क पर पानी भरने से आवागमन बाधित हो जाता था। व्यावसायिक क्षेत्र कोठीबाजार में सुगम आगमन के लिए थाना चौक से लल्ली चौक, नेहरू पार्क होते हुए 2 किमी लंबी उच्च गुणवत्ता की वाइफ व्हाइट टॉपिंग सीसी रोड का निर्माण कार्य किया जा रहा है। बैतूल जिले प्रदेश के लगभग 10 जिलों ऐसी सड़क बन रही है। उच्च गुणवत्ता की इस सड़क के निर्माण होने से बार-बार लगने वाले जाम की स्थिति खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बैतूल नगर को सुंदर और सर्वसुविधायुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। आगामी लगभग 6 माह में शहर का स्वरूप बदला हुआ नजर आएगा। उन्होंने बताया कि बैतूल शहर में एक ही स्थान पर फल एवं सब्जी मार्केट लगाने की व्यवस्था की जा रही है। बैतूल शहर को अतिक्रमण मुक्त कर अतिक्रमको के पुनर्स्थापना की व्यवस्था भी की जा रही है। गांधी चौक का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जन-जन के विकास और समृद्धि की चिंता करते हुए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई है, जिसका जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन हो रहा है।

संकल्प से सिद्धि अभियान के संदर्भ में विधायक कार्यालय में बैठक संपन्न

सुबह सवेरे सोहागपुर

संकल्प से सिद्धि अभियान के संदर्भ में सोहागपुर विधायक विजयपालसिंह के कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी मंडल की महत्वपूर्ण बैठक किसान मोर्चा जिला मंत्री निखिलेश चतुर्वेदी के आतिथ्य में संपन्न हुई इस बैठक में मोदी सरकार के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने एवं भारतीय

जनता पार्टी के तत्वावधान में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस,23 जून बलिदान दिवस ,25 जून आपातकाल का काला अध्याय आदि कार्यक्रमों को लेकर रूपरेखा बनाई गई। इस अवसर पर की वक्ताओं ने इसी कार्यक्रमों को लेकर अपने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक के उपरांत भाजपा कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण किया इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंश पटेल, नपा उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी,मंडल अध्यक्ष अश्वनी सरोज ,वरिष्ठ वकील गोपाल माहेश्वरी,विजय छाबड़िया,राजेश शुक्ला,अनिल गहरैया,पार्षद आशीष विश्वकर्मा, पार्षद रवि शंकर उइके, पूर्व पार्षद राकेश चौरसिया,शंकर मालवीय,महामंत्री मिथलेश ठाकुर,ऋषभ गढ़वाल ,प्रशांत मालवीय, शक्ति मेहरा,संध्या नागवंशी, संजय मेहरा, भगवान सिंह पटेल,डी सी साहू,अमर सिंह राजपूत,सुरेश कुशवाह,ब्रजेश राजपूत,देव सायलवार आदि भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हिंदू साम्राज्य दिवस पर आधारित कार्यक्रम

सुबह सवेरे सोहागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में हिंदू साम्राज्य दिवस ,छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस के पावन अवसर पर धर्म, स्वराज्य और राष्ट्र गौरव के पूर्व पर प्रेरणादायक कार्यक्रम 10 जून 2025, मंगलवार को सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में सायं 5 बजे आयोजित किया जा रहा है। जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और शौर्य पर आधारित वक्तव्यों में राष्ट्रभक्ति गीतयुवाओं के लिए विशेष संदेश, हिंदू स्वराज्य के महान प्रेरणा स्रोत छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम होगा।

ई-केवायसी कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर नहीं हुई कार्यवाही

अन्य कर्मचारियों ने लगाया भेदभाव का आरोप

बैतूल। इन दिनों बैतूल नगरीय क्षेत्र में ई केवाईसी किए जाने का काम सभी वार्डो में किया जा रहा है, जिसमें नगर पालिका के एक सैकड़ा से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई हैं, लेकिन सूत्रों की माने तो कुछ कर्मचारी अपने कार्य स्थल पर नहीं पहुंचते हैं, जिसकी शिकायत होने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं होती है, जबकि कुछ कर्मचारी ऐसे भी हैं जिन्हे कार्यस्थल पर कुछ समय के लिए अनुपस्थित पाए जाने पर तुरंत नोटिस जारी कर देने का मामला भी सामने आया है। जानकारी के मुताबिक कलेक्टर बैतूल के आदेश पर बैतूल नगरीय क्षेत्र में समग्र आईडी में ई-केवाईसी का काम नगर पालिका बैतूल के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। कलेक्टर के आदेशानुसार 1 जून से 10 जून तक कार्य पूरा करना था। हां

अब जरूर, बैतूल नगर पालिका द्वारा तारीख बढ़ाकर इस माह के अंत तक बैतूल नगरीय क्षेत्र के समस्त नागरिकों का ई-केवाईसी का कार्य पूरा किये जाने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि जिनका ई-केवाईसी होगा, उन्हीं को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल पाएगा। आपको बता दे कि ई केवायसी के कार्य के लिए नगरपालिका बैतूल सहायक यंत्री नीरज धुर्वे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, वही नगर के सभी 33 वार्डों के लिए 33 अन्य कर्मचारियों को दल प्रभारी बनाया गया है और प्रत्येक वार्ड में एक ऑपरेटर सहित तीन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जानकारी के मुताबिक इन कर्मचारियों द्वारा ई-केवाईसी करने के लिए इस जून महीने की तपती गर्मी में वार्ड की गलियों की खाक छानी जा रही हैं और डोर टू डोर ई-केवाईसी का काम कर रहे हैं। इस दौरान उन कर्मचारियों को धक्का लगा, जब यह पता चला कि इंदिरा वार्ड के दल प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक संतोष धनौलिया ने नपा के केवाईसी संबंधित ग्रुप में सूचित किया कि उनके वार्ड में नियुक्त कर्मचारी प्रफुल्ल सिंह और सागर बारस्कर पहले दिन से ही अनुपस्थित है।

लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ नहीं हुई कार्यवाही ....

ग्रुप में जानकारी दिए जाने के बाद अन्य कर्मचारियों को लगा कि उनके खिलाफ भी कोई कार्रवाई होगी, परंतु किसी भी तरीके से कोई नोटिस या अन्य कार्रवाई नहीं होने पर अन्य कर्मचारियों को लगा कि उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। जबकि आपको बता दे कि इस बीच एक पंप चालक द्वारा कुछ समय के लिए ड्यूटी पर नहीं पहुंचने से उन्हें सीएमओ द्वारा नोटिस दिए जाने का फरमान जारी कर दिया था। इस संबंध में जानकारी मिली है कि एक पंप चालक कुछ समय के लिए ड्यूटी पर नहीं पहुंच पाया, तो उसे नोटिस दिए जाने के लिए कहा गया और प्रफुल्ल सिंह तथा सागर बारस्कर शुरू दिन से ड्यूटी स्थल पर अनुपस्थित होने पर भी उन्हें नोटिस जारी नहीं किया गया है। जिससे यह जनचर्चा का विषय हो गया है कि ई-केवाईसी में तैनात नगर पालिका के कर्मियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है जो कि अनुचित है।

इनका कहना है-

ये दोनों कर्मचारी वूमेन फॉर ट्री तथा दूसरे अन्य पौधारोपण से संबंधित कार्य के लिए मुझसे अनुमति लेकर गए हुए थे। इसके अलावा यदि किसी वार्डों में कर्मचारियों द्वारा ई-केवाईसी के कार्य में कोताही बरती जा रही है तो मैं समीक्षा कर तुरंत कार्रवाई करूंगा। किसी भी कर्मचारी से भेदभाव नहीं किया जामगा।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नगरपालिका बैतूल

मुझे इसकी जानकारी नहीं मिली है, परंतु यह गलत है। जिनकी जिस वार्ड में ड्यूटी दी गई है, उन्हे उस वार्ड में ई केवाईसी का कार्य करना चाहिए और अगर इन कर्मचारियों की ड्यूटी कही और भी लगा दी गई है, तो उनकी जगह दूसरे कर्मचारियों को लगाना चाहिए। मैं इस संबंध में ई-केवाईसी के नोडल अधिकारी और सीएमओ से बात करती हूँ।

- श्रीमती पार्वतीताई बारस्कर, अध्यक्ष, नपा बैतूल

भोपाल सनातन संस्कृति के केंद्र के रूप में बना रहा है पहचान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कैंची धाम वाले नीम करोली महाराज के हनुमत धाम निर्माण से बढ़ेगी भोपाल की आभा और कीर्ति

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल, सनातन संस्कृति के केंद्र के रूप में पहचान बनाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा है। कैंची धाम वाले नीम करोली महाराज के हनुमत धाम के निर्माण से भोपाल की आभा और कीर्ति बढ़ेगी। भोपाल में राजा भोज के नाम से भोज द्वार बनाने का संकल्प लिया था, हनुमत धाम निर्माण भी इसी दिशा में एक कदम है। सम्राट विक्रमादित्य सहित भारतीय संस्कृति से जुड़े सभी गौरवशाली पक्षों को यहां प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज के रतनपुर भोपाल में बन रहे हनुमत धाम के भूमि पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका 'कैंची धाम वाले नीब करोली महाराज-बाबा का हनुमत धाम' का विमोचन भी किया।

भोपाल के रतनपुर में हनुमत नरेला स्थित भूमि पर हनुमत धाम की आधारशिला रखी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में बाबा का धाम बनाने का राम राज बाबा नीब करौरी चैरिटेबल ट्रस्ट का संकल्प स्वागत योग्य है। बाबा से जुड़े कार्यक्रम में सम्मिलित होना सौभाग्य का विषय है। धाम निर्माण का संकल्प एक अध्यात्मिक युग के सूत्रपात जैसा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कैंची धाम की महिमा देश-विदेश में अनुभव की जा रही है। वैश्विक स्तर पर उनके अनुभवों और संदेशों से लोग प्रेरणा ले रहे हैं। भोपाल का यह धाम सम्पूर्ण प्रदेश और आस-पास के राज्यों के लिए बाबा के आशीर्वाद का केन्द्र बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धाम के लिए डॉ. बृजेश श्रीवास्तव द्वारा भूमि समर्पित करने के लिए उनकी सराहना करते हुए भूमि दान को अनुकरणीय पहल बताया।

खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग तथा सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने भी अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में श्री हितानंद शर्मा, श्री आशीष अग्रवाल, डॉ. बृजेश श्रीवास्तव, श्री नितेन्द्र शर्मा, श्रीमती अनिता अग्निहोत्री तथा बाबा नीम करौरी की पौत्र-वधु श्रीमती शैलजा शर्मा उपस्थित थीं। रतनपुर स्थित कार्यक्रम स्थल पर सांसद भोपाल श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा एवं श्री भगवानदास सबनानी, बाबा नीब करौरी के पौत्र डॉ. धनंजय शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्री राकेश अग्निहोत्री सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री का नेतृत्व देश को 2029 में भी प्राप्त होगा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य सरकार की ओर से उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान का दौर भारत का स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जो कार्य किये हैं वह, न भूतो न भविष्यति हैं। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है की वर्ष 2029 में भी देश को श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के मानस को साथ जोड़ते हुए वैश्विक पटल पर भारत की विशेष पहचान बनाई है। वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रूस से सस्ता पेट्रोल लेने के साथ ही इजराइल और अमेरिका से सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक से देश को लैस किया। यह उन्हीं के साहस और सामर्थ्य से संभव हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से चमत्कार कर दिखाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 11 वर्षो का सेवाकाल 'विकसित भारत' के संकल्प-सिद्धि की मजबूत आधारशिला है। इन वर्षो में गरीब, किसान, महिला, युवा सहित हर वंचित वर्ग के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को हम सभी महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के यशस्वी और दूरदर्शी नेतृत्व में नया भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। आस्था से अर्थव्यवस्था तक, परंपरा से प्रौद्योगिकी तक, सुविधा से सरोकार तक, कृषि से उद्योग तक, नौकरी से स्टार्ट-अप तक हर क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान रचे गए हैं। राष्ट्रीय एकात्मता के लिए अनुच्छेद 370 की समाप्ति, लागू करना, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, तीन तलाक के कलंक से मुक्ति दिलाना, श्री राम मंदिर का निर्माण तथा जी20 की अध्यक्षता प्रत्येक निर्णय में नेशन फर्स्ट की भावना ने देशवासियों को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देशवासियों के जीवन को गरिमामय, आसान और समृद्ध बनाने के लिए प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष देश का स्वर्णिम युग : मंत्री सारंग

11 वर्ष देश के लिये सुनहरे रहे, पीएम मोदी के नेतृत्व में हर संकल्प को सिद्धि तक ले जाने का केंद्र सरकार ने काम किया

भोपाल। विकास हो, जनता का कल्याण हो, देश का सम्मान हो, आर्थिक सुदृढ़ीकरण हो, हर वर्ग के जीवन में प्रकाश लाने का प्रयास हो, हर क्षेत्र में मोदी सरकार ने अच्छा कार्य किया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

लक्ष्मण सिंह हर समय यथार्थ की बात करते हैं, नेहरू परिवार को यह बर्दाश्त नहीं है- मंत्री सारंग- साम्राज्यवाद में डूबी कांग्रेस नेहरू परिवार के चंगुल में ऐसी फसी है कि उसे सही सुनने की आदत नहीं है... लक्ष्मण सिंह ने जो कहा कि वो यथार्थ है, यदि कांग्रेस में लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवाद स्थापित करने की मानसिकता हो तो उन्हें सिंह के बयान पर गौर करना चाहिए ना कि कार्रवाई।

कांग्रेस गुट और गिरोह में बंटी है, सबसे बड़े भितरघाती केंद्रीय स्तर पर – कांग्रेस के जो ऑब्ज़र्वर आये हैं उन्हें भी उनके राज्य के लोग भितरघाती कहते हैं। कांग्रेस में अनुशासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था का पालन नहीं होता, यह केवल ढकोसला है। केवल अपने गुर्गो को बनाने और फेस सेविंग के लिये यह प्रक्रिया की गई है। कांग्रेस में लोकतांत्रिक व्यवस्था और कार्यकर्ताओं की भावनाओं को आगे रखकर लिये गए निर्णय की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। यदि ऐसा होता तो नेहरू परिवार का कांग्रेस पर कब्जा नहीं होता। कांग्रेस में किसी भी स्तर पर कार्यकर्ताओं की भावना का ध्यान नहीं रखा जाता।

जनजातीय कार्य विभाग ने स्थानांतरण को लेकर दायर की केविएट

भोपाल(नप्र)। कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकों के विधि संगत स्थानांतरण प्रदेश के विभिन्न कार्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में किए हैं। स्थानांतरण को लेकर अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकों द्वारा संभावित न्यायालयीन रिट याचिकाओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने उच्च न्यायालय जबलपुर के साथ खंडपीठ इंदौर और ग्वालियर में शासन के पक्ष में केविएट दायर की है।

विभाग ने अधिकारी-कर्मचारी एवं शिक्षकों को इस संदर्भ में विधिवत सूचित किया है कि उनके द्वारा दायर किये जाने वाले संभावित न्यायालयीन प्रकरणों में शासन का पक्ष प्रभावी ढंग से रखा जायेगा।

आईएएस अफसरों की ट्रांसफर सूची पर नहीं हुआ निर्णय

मंत्री-अफसरों में तालमेल की कमी से अटके कल खत्म हो जाएगी डेडलाइन

भोपाल (नप्र)। सीनियर आईएएस अधिकारियों के तबादले को लेकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बीच बैठक नहीं हो पाने से ट्रांसफर आदेश जारी नहीं हो पा रहे हैं। उधर, तबादलों की समय-सीमा 10 जून को खत्म हो जाएगी। बावजूद इसके विभागों के प्रमुख सचिवों, आयुक्तों और मंत्रियों के बीच तबादला सूची पर आम राय नहीं बन पाई है। इससे कई विभागों की लिस्ट जारी नहीं हो सकी है। कुछ विभागों ने तबादला सूची जारी की है लेकिन उसमें भी नाम मात्र स्थानांतरण किए गए हैं। उधर तबादलों के बाद विवाद और कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की स्थिति को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के बाद और जनजातीय कार्य विभाग ने भी हाईकोर्ट में केविएट दायर कर दी है।

9 दिन बाद भी जारी नहीं हो सके आदेश- आईएएस संदीप माकिन 31 मई को दतिया कलेक्टर के पद से रिटायर हो गए। सोमवार को 9 दिन का समय बीत चुका है लेकिन मोहन सरकार दतिया के लिए कलेक्टर का चयन नहीं कर सकी है। ऐसे में आगामी आदेश तक के लिए सीईओ जिला पंचायत दतिया सौरभ तेम्रवाल को दतिया कलेक्टर का प्रभार सौंपने के आदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी कर दिए हैं।

अटकी हुई आईएएस की तबादला सूची- उधर, मंत्रालय में सीनियर आईएएस ऑफिसर्स और कुछ जिलों के कलेक्टरों व संभागायुक्तों के भी तबादले शासन स्तर पर विचाराधीन हैं। जीएडी ने नामों की सूची सीएम और सीएस को भेज रखी है लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव के बीच तबादलों को लेकर निर्णय को लेकर बैठक नहीं हो पाई है। इस कारण इस पर अंतिम फैसला नहीं हो पा रहा है और आईएएस की तबादला सूची अटकी हुई है। माना जा रहा है कि अभी यह सूची दो दिन तक और टल सकती है और तबादला अवधि खत्म होने के बाद ही इसे जारी किया जा सकता है।

आज खत्म हो जाएगी तबादले की समय-सीमा- दूसरी ओर तबादलों के लिए बढ़ाई गई समय-सीमा 10 जून खत्म होने वाली है और अब तक स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग शिक्षकों और अन्य अधिकारियों के तबादला आदेश जारी नहीं कर सका है।

स्वास्थ्य विभाग और नगरीय आवास व विकास विभाग ने भी छिटपुट अफसरों के तबादले किए हैं के अब तक जिन विभागों ने तबादला आदेश जारी किए हैं। लोक निर्माण विभाग और पीएचई विभाग की ओर से जरूर सौ से अधिक इंजीनियरों और अफसरों-कर्मचारियों की स्थानांतरण सूची जारी की जा चुकी है।

पुलिस पर पथराव, गाड़ियों का शीशे टूटे

खंडवा में 30 जेसीबी लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंचे 550 जवान ; आंसू गैस के गोले छोड़े गए

खंडवा (नप्र)। फोर्स कार्रवाई करने पहुंची तो अतिक्रमणकारियों की ओर से पथराव होने लगा। पुलिस ने टियर गैस छोड़ी और 11 लोगों को हिरासत में लिया।

खंडवा के जंगलों से अतिक्रमण हटाने के लिए एक बार फिर फॉरेस्ट विभाग ने पुलिस और प्रशासन के साथ अभियान छेड़ दिया है। प्रशासनिक अमला दल-बल के साथ सोमवार तड़के 3 बजे ही मौके पर पहुंच गया। इसके बाद प्लानिंग के साथ 13 जेसीबी मशीने ने सुबह 5 बजे से कार्रवाई शुरू की। दोपहर तक 30 जेसीबी मशीनों को काम पर लगाया गया।

जमीन पर अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलना शुरू हुए तो अतिक्रमणकारियों ने कार्रवाई का विरोध जताते हुए गोफन से पथराव किया। पथराव से पुलिस की गाड़ियों के ग्लास टूट गए। हालात को काबू करने के लिए पुलिस ने टियर गैस दागकर अतिक्रमणकारियों को खदेड़ दिया। पुलिस ने मामले में 11 लोगों को हिरासत में लिया है।

डीएफओ राकेश कुमार डामोर ने बताया कि गुड़ी रेंज के ग्राम आमाखुजरी में लंबे समय से अतिक्रमण है। यहां 2019 से अतिक्रमण हो रहा था। जंगल की कटाई के बाद यहां खेती के लिए जमीन को जोता गया।

30 जेसीबी मशीनों से हटाया अतिक्रमण

जंगल में वन विभाग की जमीन पर करीब दो साल से खेती हो रही थी। करीब 250 हेक्टेयर यानी 600 एकड़ से ज्यादा के जंगल एरिया में अतिक्रमण है, जिसे हटाने की कार्रवाई की जा रही है। सुबह 5 बजे से लेकर अब तक 20 हेक्टेयर से ज्यादा जंगल से अतिक्रमण हटाया जा चुका है। डीएफओ डामोर ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए जंगल में 40 जेसीबी मशीनों को बुलाया गया था। हालांकि, रात में सिर्फ 13 जेसीबी मशीन पहुंचीं, जिनके जरिए जंगल में कंटूर (गड्ढे) खोदे जा रहे हैं। जेसीबी मशीन से जो कंटूर खोदे हैं, उनमें सीड बॉल डाली जा रही हैं, ताकि बारिश के दौरान स्वतः वृक्षारोपण होकर जंगल दोबारा जीवित हो सकें। दोपहर तक जेसीबी की संख्या 30 हो गई।

एएसपी बोले- 550 जवान तैनात किए गए

एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर ने बताया कि पुलिस फोर्स के साथ सुबह 5 बजे से कार्रवाई चल रही है। 550 जवान कार्रवाई के दौरान तैनात किए गए हैं। सुबह 7 बजे अतिक्रमणकारियों ने कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने गोफन के जरिए फोर्स पर पत्थर फेंके है, जवाबी कार्रवाई में फोर्स को उनके पीछे दौड़ाया गया। कुल 11 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें 4 लोग बकरी चराने वाले हैं, जो अतिक्रमणकारियों को पुलिस के मूवमेंट की जानकारी दे रहे थे।

सड़क हादसे में दो सगी बहनों की मौत

ट्रक में घुसी तेज रफ्तार कार, पार्टी मनाकर लौट रहे थे ; 3 की हालत गंभीर

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक सड़क हादसे में 2 सगी बहनों की मौत हो गई। घटना रविवार रात बाग सेवनिया इलाके की है। हादसे में एक महिला का पति और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। जिनका सागर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बागसेवनिया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देर रात तेज रफ्तार कार मिसरोद की ओर से आ रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। दोनों बहनें दीपाली वर्मा (33) और शिखा वर्मा (29) बहनें थीं और कटारा हिल्स क्षेत्र की रहने वाली थीं। वहीं, घायलों में सक्षम जैन, सुयश चौहान और मनोराज शामिल हैं। शनिवार रात दोनों बहनें और उनके तीनों दोस्त पार्टी मनाने एमपी नगर के एक होटल गए थे। रात करीब 1:15 बजे जब सभी लोग कार से घर लौट रहे थे, तभी बागसेवनिया थाने के सामने यह हादसा हो गया।

100 की स्पीड से दौड़ रही थी कार

पुलिस के मुताबिक, मिसरोद की तरफ से आ रहा ट्रक जैसे ही थाने के सामने कट पाइंट से टर्न लेकर 80 फीट रोड की ओर मुड़ा, उसी समय कार तेज रफ्तार में आकर ट्रक में जा घुसी। कार की रफ्तार 100 किमी प्रतिघंटा से अधिक बताई जा रही है। इतनी तेज रफ्तार में होने के कारण ड्राइवर ट्रक को देख नहीं सका और कार सीधी ट्रक में घुस गई।

टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने दीपाली और शिखा को मृत घोषित कर दिया, जबकि बाकी तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक ड्राइवर की भूमिका और हादसे के कारणों को लेकर सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में लापरवाही और तेज रफ्तार ही हादसे की वजह मानी जा रही है।

डाटा अपडेशन में किसी भी प्रकार की देरी पर होगी कार्रवाई : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

डाटा क्लीनिंग एक सतत् प्रक्रिया

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने प्रदेश के सभी कर्मचारियों के डाटा को समय पर अपडेट करने के निर्देश जिम्मेदार अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि डाटा अपडेशन में देरी पर संबंधित डीडीओ की जिम्मेदारी तय की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बताया कि डाटा क्लीनिंग एक्सरसाइज एक सतत् प्रक्रिया है, जिससे सेवानिवृत्त होने वाले, प्रतिनियुक्ति पर रहने वाले कर्मचारियों, मृत कर्मचारियों एवं अन्य विभिन्न स्थितियों में अन्य स्थानों पर कार्य करने वाले कर्मचारियों का डाटा अपडेट किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कर्मचारियों का डाटा सत्यापन किया गया है और अभी तक कोई भी कर्मचारी संदिग्ध नहीं पाया गया है अर्थात किसी भी कर्मचारी को किसी भी प्रकार से कोई भी आर्थिक लाभ नियमों के विपरीत नहीं मिला है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बताया कि डाटा क्लीन करने की प्रक्रिया के बाद आईएफएमआईएस नेक्स जेन में डाटा माग्रेशन करना सुविधाजनक होगा। इससे शुद्ध डाटा की फीडिंग हो सकेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बताया कि प्रदेश में आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा गठित स्टेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस सेल द्वारा विभिन्न डाटा सेट्स का परीक्षण तथा विश्लेषण निरंतर हो रहा है। सरकार द्वारा सुशासन के दृष्टिगत की जाने वाली कार्यवाही में आईएफएमआईएस डाटा से संज्ञान में आया कि प्रदेश में 36 हजार 26 नियमित, 8 हजार 784 गैर नियमित कुल मिलाकर 44 हजार 810 कर्मचारियों का वेतन आहरित नहीं किया गया है। शासन स्तर से वेतन आहरण नहीं होने के कारणों का पता लगाने के लिये निर्देश जारी किये गये। संभावित कारणों की पड़ताल होने पर जांच में सामने आया कि त्यागपत्र देने वाले कर्मचारी, सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी, प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले कर्मचारी,बगैर एम्पलाई कोड वाले कर्मचारी और मृत कर्मचारियों का डाटा समय पर अपडेट नहीं होने से कर्मचारियों का डाटा मिसमेच हुआ है। शासन स्तर से इनकी वास्तविक संख्या ज्ञात करते हुए आईएफएमआईएस में डीडीओ तथा कोषालय अधिकारी स्तर से डेटाबेस में आवश्यक अपडेट कराने के उद्देश्य से समस्त डीडीओ से जानकारी कोषालय अधिकारियों के माध्यम से एकत्रित कर भविष्य में सभी प्रविष्टियां समय पर करने के निर्देश दिये गये हैं।

एम विधायकों को टाइम मैनेजमेंट सिखाएंगे केंद्रीय मंत्री यादव

पचमढ़ी में 3 दिन के ट्रेनिंग कैम्प में अमित शाह बताएंगे जनसंघ से भाजपा की विकास यात्रा

भोपाल (नप्र)। मप्र के विधायकों, सांसदों और मंत्रियों की पचमढ़ी में तीन दिनों तक ट्रेनिंग होगी। 14 जून से 16 जून तक पचमढ़ी में होने वाले प्रशिक्षण वर्ग में मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को पब्लिक डीलिंग, मोबाइल मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट से लेकर पार्टी की रीति-नीति और सफरनामे की जानकारी अलग-अलग सत्रों में दी जाएगी। प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने वाले विधायक-सांसदों को सुबह 6:00 बजे जागना होगा। प्रशिक्षण स्थल पर सुबह 7:00 से 8:00 के बीच योग और प्रार्थना कराई जाएगी।

उद्घाटन सत्र में अमित शाह बताएंगे जनसंघ से बीजेपी तक की विकास यात्रा- 13 जून की रात तक सभी प्रशिक्षणार्थी विधायक, सांसद और मंत्री पचमढ़ी पहुंच जाएंगे। 14 जून को दोपहर 12 बजे से आयोजित उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा के बारे में व्याख्यान देंगे। अमित शाह के साथ मंच पर सीएम डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूद रहेंगे।

पहले दिन होंगे चार सत्र- डेढ़ घंटे के लंच ब्रेक के बाद करीब साढ़े तीन बजे से पहला सत्र होगा। इस सत्र में हमारा विचार और पंच निष्ठा विषय पर प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह और सबसे वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव संबोधन देंगे। इसके बाद दूसरे सत्र में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और सांसद बंशीलाल गुर्जर भाजपा की कार्यपद्धति पर जानकारी देंगे।

चुनाव क्षेत्र में मैनेजमेंट, इनोवेशन और सदन में भूमिका पर एक ही सत्र में 3 ग्रुप बनेंगे

दूसरे दिन के शुरुआती सत्र में विधायकों-सांसदों को निर्वाचन क्षेत्र में मैनेजमेंट इनोवेशन और चुनौतियों के साथ सदन में भूमिका पर जानकारी दी जाएगी इस सत्र में विधायकों-सांसदों के तीन ग्रुप बनाए जाएंगे। पहले ग्रुप में पहली और दूसरी बार के विधायकों को सांसद सुधीर गुप्ता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीता शरण शर्मा संबोधित करेंगे।

दूसरे समूह में बाकी बचे वरिष्ठ विधायकों को डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, विधायक प्रदीप लारिया और हरिशंकर खटीक संबोधित करेंगे। तीसरे समूह में राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों को केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक और केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास ऊईके संबोधित करेंगे।

सत्यमेव जयते

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रदेश के कृषि फीडर्स को सौर ऊर्जीकृत करने का अभियान

व्यापक निवेश अवसर

‘सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना’ समिट

10 जून, 2025 | प्रातः 10:00 से सायं 6:00 बजे तक
कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर, भोपाल

मुख्य अतिथि
मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव

समिट के मुख्य आकर्षण
- सौर संयंत्रों की स्थापना हेतु जारी निविदा संबंधी जानकारी
- शासकीय संस्थाओं द्वारा अपनाई जाने वाली स्टैन्डर्ड ऑपरेटिंग प्रक्रिया की जानकारी
- बैंकों एवं इनवर्टर निर्माताओं के साथ परियोजनाओं की वित्तीय एवं तकनीकी व्यवस्थाओं पर परिचर्चा

योजना के प्रमुख उद्देश्य
- मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को कम मूल्य पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित कराना
- ट्रांसमिशन हानि कम करना एवं सीधे खपत स्थल पर बिजली पहुंचाना
- 33/11 केवी उपकेंद्रों पर ओवरलोडिंग, लो-वोल्टेज और पावर कट की समस्या कम करना
- किसान को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध कराना

नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार
- सब-स्टेशन की 100% क्षमता तक की परियोजनाओं की स्थापना
- परियोजनाओं को पीएम कुसुम-सी योजनांतर्गत उपलब्ध केंद्रीय अनुदान का लाभ लेने का विकल्प
- 1900 से अधिक विद्युत सबस्टेशन एवं 14500 मेगावॉट क्षमता सौर परियोजनाओं के चयन हेतु उपलब्ध
- पीएम कुसुम योजना में 3.45 लाख पम्प का लक्ष्य
- वोकल फॉर लोकल - स्थानीय उद्यमियों के लिए निवेश एवं रोज़गार सृजन का उचित अवसर
- वित्त पोषण की सुगमता के लिए बैंकों से समन्वय
- परियोजनाओं में AIF के तहत 7 वर्षों तक 3% ब्याज में छूट
- Reactive Power प्रबंधन से अतिरिक्त आय

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @JansamparkMP JansamparkMP

D11043/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025